● वर्ष-2
● अंक-154
रायपुर, बुधवार
15 फरवरी 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

बीबीसी के दफ्तरों पर आयकर का छापा

वित्तीय अनियमितता के हैं आरोप

नई दिल्ली। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) के दिल्ली दफ्तर पर आयकर विभाग के सर्वे की खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीबीसी के दफ्तर को सील कर दिया गया है और सभी कर्मचारियों के फोन जब्त कर लिए गए हैं। कर्मचारियों को घर जाने के लिए कह दिया गया है। बीबीसी के लंदन हेडक्वार्टर को भी सर्वे की जानकारी दे दी गई है। बता दें कि दिल्ली के साथ ही बीबीसी के मुंबई स्थित दफ्तर पर भी आयकर विभाग ने सर्वे किया है।

बीबीसी के ठिकानों पर आयकर विभाग के सर्वे वित्तीय अनियमितता के आरोप में हुआ है। करीब 20-22 ठिकानों पर यह सर्वे हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 15-20 सदस्यों वाली आयकर विभाग की टीमें बीबीसी के दफ्तर पहुंची और सर्वे शुरू कर दिया। दफ्तर में अंदर आने और बाहर जाने पर भी रोक लगा दी गई है। वहीं बीबीसी पर आईटी के सर्वे की खबर के बाद कांग्रेस पार्टी ने सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस ने ट्वीट करते हुए लिखा कि %पहले उन्होंने बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री पर प्रतिबंध लगाया और अब आयकर विभाग ने बीबीसी पर छापा मारा है। यह अघोषित तौर पर आपातकाल है। मामले में बीबीसी की ओर से भी बयान जारी किया गया। बीबीसी न्यूज प्रेस टीम की ओर से कहा गया कि बीबीसी के नई दिल्ली और मुंबई के दफ्तरों पर आईटी का सर्वे चल रहा है। हम उनका पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि हम इस स्थिति को जल्द से जल्द सुलझा लेंगे।

एडिटर्स गिल्ड ने की आलोचना

इनकम टैक्स विभाग के कथित सर्वे की एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने आलोचना की है। गिल्ड ने कहा है कि यह मीडिया की आजादी पर हमला है। इसके पहले भी कई ऐसे मीडिया संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, जिन्होंने सरकार की आलोचना की है। माना जा रहा है कि बीबीसी पर आईटी की यह कार्रवाई उसकी उस डॉक्यूमेंट्री के कारण की गई है, जो उसने 2002 में हुए गोधरा दंगों पर बनाई थी।

विपक्षी नेता हमलावर

सर्वे को लेकर विपक्षी नेता अब सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमलावर हो गए हैं। कांग्रेस ने कहा कि तानाशाह एक डरपोक आदमी होता है। पहले बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री आई, उसे बैन किया गया। अब बीबीसी पर आईटी का छापा पड़ गया है। अघोषित आपातकाल। वहीं, पार्टी नेता जयराम रमेश ने कहा कि यहां हम अडानी के मामले में जेपीसी की मांग कर रहे हैं और वहां सरकार बीबीसी के पीछे पड़ी हुई है। विनाशकाले विपरीत बुद्धि। अखिलेश यादव ने लिखा कि बीबीसी पर छापे की ख़बर 'वैचारिक आपातकाल' की घोषणा है। महबूबी मुफ्ती ने कहा कि बीबीसी कार्यालय पर छापे का कारण और प्रभाव बिल्कुल स्पष्ट है। सच बोलने वालों को सरकार बेशर्मी से परेशान कर रही है। चाहे वह विपक्षी नेता हों, मीडिया, कार्यकर्ता या कोई और। दस्ताने उतर गए हैं और सच्चाई के लिए लड़ने की कीमत चुकानी पड़ती है।

मोदी पर बनी डॉक्यूमेंट्री बढ़ा-चढ़ाकर-ब्रिटिश सांसद

ब्रिटेन के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बनी ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) की डॉक्यूमेंट्री पूरी तरह से बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई है। न्यूज 18 से बात करते हुए ब्रिटिश सांसद ने कहा, बीबीसी ब्रिटिश सरकार के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। डॉक्यूमेंट्री एक हैचेट जॉब है। विवादास्पद दो-भाग वाली डॉक्यूमेंट्री सीरिज ने भारत में एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। डॉक्यूमेंट्री में 2002 के दंगों के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पीएम मोदी के कार्यकाल को दर्शाया गया है। ब्लैकमैन ने कहा कि दो-भाग की श्रृंखला खराब पत्रकारिता का परिणाम है; खराब शोध किया गया है और पूरी तरह से अनुचित है।

बीबीसी का इतिहास भारत के खिलाफ काम करने का-भाजपा

बीबीसी पर आयकर विभाग के सर्वे पर भाजपा ने कहा कि कोई भी एजेंसी हो, मीडिया से जुड़ी हो, कंपनी हो। अगर वह भारत में काम कर रही है तो उसे भारत के कानून का पालन करना होगा। अगर कुछ गलत नहीं किया, कानून का पालन किया तो डर कैसा, चिंता कैसी। आयकर विभाग को अपना काम करने देना चाहिए। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। भाजपा नेता गौरव भाटिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि यह कहना गलत नहीं होगा कि बीबीसी का प्रोपोगैंडा और कांग्रेस का एजेंडा एक साथ मेल खाता है। बीबीसी का इतिहास द्वेषपूर्ण तरीके से भारत के खिलाफ काम करने का रहा है। बीबीसी विश्व की सबसे भ्रष्ट संस्था हो गई है। बीबीसी का इतिहास कलंकित और द्वेष पूर्ण भावना से भरपूर है। इसके साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों के नेताओं से कहा कि कानूनी कार्यवाही पर बयानबाजी ठीक नहीं है। कांग्रेस को यह याद रखना चाहिए कि किस तरह से श्रीमति इंदिरा गांधी ने खुद बीबीसी पर बैन लगाया था। गौरव भाटिया ने कहा कि किस तरह पत्रकारिता की आड़ में एक एजेंडा आगे बढ़ाया जाता है, वह मैं आपके सामने रखता हूं।

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

तकनीकी शिक्षा में गिरावट और रोजगार

विगत दो-ढाई वर्षों से छत्तीसगढ़ सरकार यह प्रचारित कर रही है कि प्रदेश में बेरोजगारी की दर देश भर में सबसे कम है। यहां तक कि पिछले कुछ माह से छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी दर शून्य के करीब है। दूसरी ओर 26 जनवरी गणतंत्र दिवस परेड के अवसर पर जनता को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रदेश के बेरोजगारों को ढाई हजार रुपए प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता देने की घोषणा की है। अभी कितने बेरोजगारों को भत्ता मिलेगा, संख्या तय नहीं है। हालांकि रोजगार कार्यालयों में दर्ज बेरोजगारों की संख्या 19 लाख के करीब है। प्रदेश में 2 करोड़ 90 लाख के आसपास की जनसंख्या वाले राज्य में अगर 19 लाख रोजगार कार्यालय में दर्ज है तो प्रदेश में बेरोजगारी की दर लगभग शून्य कैसे है यह समझ से परे है। प्रदेश में एक और नई समस्या देखने को मिल रही है पिछले 5-6 वर्षों से प्रदेश में स्थापित इंजीनियरिंग महाविद्यालय बंद हो रहे है और जो चल रहे है वहां पर भी छात्र प्रवेश नहीं ले रहे है। इस शैक्षणिक वर्ष में प्रदेश में कुल 11 हजार 500 के करीब इंजीनियरिंग की सीट थी। जबकि केवल 35 सौ छात्रों ने प्रवेश लिया। 7 हजार 900 इंजीनियरिंग के डिग्री लेने वाली सीटें रिक्त रह गई। यही हाल प्रदेश में पॉलिटेक्निक संस्थाओं का है। इस वर्ष छत्तीसगढ़ की कुल पॉलिटेक्निक की सीटें 8664 में केवल 19 सौ सीटें ही भर पाई। याने 75 प्रतिशत इंजीनियर और पॉलिटेक्निक की सीटें भर नहीं पा रही। इस कारण कॉलेज और संस्थाएं बंद हो रही है। सीटें नहीं भरने का कारण तो अनेक है जिसमें पहला महाविद्यालयों में रोजगारपरक गुणवत्तायुक्त शिक्षा का अभाव है, कुकुरमुत्ते की तरह खुले निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में न तो पढ़ाने वाले योग्य शिक्षक है और न ही प्रयोग करने की सुविधाएं। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रदेश में इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक की डिग्री और डिप्लोमा करके निकले विद्यार्थियों को नौकरी नहीं मिल रही है। छत्तीसगढ़ के उद्योगों में लाखों रुपए खर्च कर डिग्री लेने वाले इंजीनियरों को 10-12 हजार की नौकरी मिलती है और मेहनत 12 घंटे की। 2017-18 के बाद देश और दुनिया की अर्थव्यवस्था कभी यह असर रहा कि प्रदेश में बड़े उद्योग नहीं लग पा रहे है, जो है वह भी जैसे-तैसे चल रहा है। उद्योगों का विकास नहीं होने से इंजीनियरों की मांग कम हो गई है। शासन भले ही औद्योगिक नीति बना ले लेकिन उद्योगों को प्रदेश में आकर्षित करने के लिए स्वच्छ प्रशासन और सुविधापूर्ण औद्योगिक क्षेत्रों को बढ़ाने के साथ औद्योगिक संस्थानों में राजनीतिक हस्तक्षेप को कम करना होगा। प्रदेश का विकास सही अर्थों में तभी होगा जब यहां उद्योग खुलेंगे, व्यवसाय बढ़ेगा और प्रदेश के युवाओं को अधिकाधिक नौकरी मिलेगी।

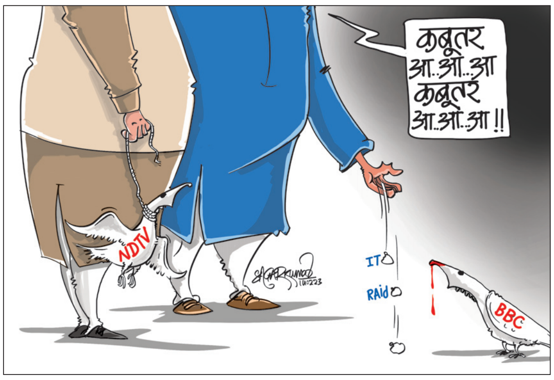

भाजपा नेताओं की हत्या के विरोध में 17 को प्रदेश में जाम

रायपुर। प्रदेश में कांग्रेस सरकार की शह पर षडयंत्र पूर्वक, सुनियोजित तरीके से लक्ष्य करके भारतीय जनता पार्टी के नेता, कार्यकर्ताओं की हत्या किए जाने के विरोध में भाजपा द्वारा 16 फरवरी को बस्तर मुख्यालय जगदलपुर में रैली निकालकर आईजी कार्यालय के सामने धरना और प्रदर्शन किया जाएगा। 17 फरवरी को बस्तर के 12 विधानसभा क्षेत्र छोड़कर प्रदेश के सभी 78 विधानसभा क्षेत्र में मंडल स्तर पर दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक प्रदेश की 400 से अधिक सड़कें जाम की जाएंगी। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की लगातार हत्या हो रही है। सरकार कोई संज्ञान नहीं ले रही है। भाजपा के बलिदानी कार्यकर्ताओं की शहादत पर ओछी राजनीति की जा रही है। सरकार में बैठे लोग भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या की बढ़ती वारदातों पर परदा इसलिए डाल रहे हैं क्योंकि पटकथा इन्हीं की लिखी हुई है।

सांसद संतोष पांडेय ने की स्वतंत्र जांच की मांग

भाजपा सांसद संतोष पांडेय ने बस्तर में भाजपा कार्यकर्ताओं की सिलसिलेवार हत्या का मामला संसद में उठाते हुए कहा कि वीर गुंडाधूर की धरती, जहां से अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई शुरू हुई, वहां लोकतंत्र की जगह लहू तंत्र की शुरुआत हो रही है। सांसद संतोष पांडेय ने लोकसभा में कहा कि मैं छत्तीसगढ़ की चिंता और वहां की

समस्या को रखने के लिए उपस्थित हुआ हूं। छत्तीसगढ़ में जो बस्तर है, वह पर्वत और वनों से आच्छादित है। वह वीर गुंडाधुर की धरती है। जहां उन्होंने भूमकाल आंदोलन से अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह की शुरुआत की। जहां धर्मात्मा राजा प्रवीर चंद्र भंजदेव ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। वहां आज बस्तर में, पूरे छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र समाप्त हो रहा है और लहू तंत्र की शुरुआत हो रही है। जिस तरह से वहां भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के प्रवास के समय तीन भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्याएं हुई और उनके जाने के बाद कुछ घंटे के भीतर एक और कार्यकर्ता की हत्या हुई इसमें कहीं न कहीं राजनीतिक षड्यंत्र की बू आती है। टारगेट बनाकर हमारे कार्यकर्ताओं की हत्या की जा रही है। आज आवश्यकता है कि जब बुधराम करटाम, नीलकंठ कक्केम,सागर साहू ने आहुति जो दे दी उसके लिए निष्पक्ष जांच की जाए और नारायणपुर में रूप साय सलाम को साथियों सहित गिरफ्तार किया गया है, उन्हें रिहा किया जाए। धर्मांतरण बंद किया जाए, स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए।

प्रमुख समाचार

त्रिपुरा में थमा चुनाव प्रचार-प्रसार, 16 को मतदान

अगरतला। त्रिपुरा में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। आज प्रचार का आखिरी दिन है। 16 फरवरी को 60 सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे। इन सब के बीच एक ताजा सर्वे के मुताबिक त्रिपुरा में एक बार फिर से भाजपा के लिए अच्छी खबर आने वाली है। त्रिपुरा में फिर भाजपा सरकार बनाने में कामयाब हो सकती है। यह ओपिनियन पोल इंडिया न्यूज़-जन की बात की ओर से की गई है। इस ओपिनियन पोल के मुताबिक त्रिपुरा की कुल 60 सीटों में से भाजपा गठबंधन को 30 से 35 सीटों के बीच सफलता मिल सकती है। वोट शेयर में भी भाजपा को बढ़त दिखाई देता दिख रहा है। भाजपा गठबंधन को 39 से 42 प्रतिशत वोट शेयर मिल सकता है। इंडिया न्यूज़-जन की बात ओपिनियन पोल के मुताबिक सीपीएम गठबंधन को 13 से 16 सीटें हासिल हो सकती है। वही टिपरा गठबंधन 11 से 13 सीटों पर अपनी बढ़त बना सकती है। सीपीएम गठबंधन को 38 से 41 प्रतिशत वोट मिल सकता है जबकि टिपरा के खाते में 16 से 21त्न वोट जाएंगे। इस पर त्रिपुरा में अपना दमखम लगा रही ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के लिए कोई खास अच्छी खबर नहीं है। हालांकि, त्रिपुरा में भाजपा को नुकसान होता दिखाई दे रहा है।

वाराणसी में राहुल गांधी को नहीं मिली उतरने की इजाजत

उत्तर प्रदेश। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इन दिनों सुर्खियों में हैं। इन सबके बीच राहुल गांधी को सोमवार रात वाराणसी पहुंचना था। लेकिन वह वाराणसी नहीं पहुंच सके।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि वाराणसी हवाई अड्डे पर उनके विमान को उतरने की इजाजत नहीं दी गई। ऐसा सरकार के दबाव में किया गया। हालांकि, वाराणसी हवाई अड्डे ने कांग्रेस के आरोपों को पूरी तरीके से खारिज कर दिया है। साथ ही साथ पूरी जानकारी के बाद ही आरोप लगाने की सलाह दी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय राय ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के विमान को उनके वायनांड संसदीय क्षेत्र से लौटने पर यहां हवाई अड्डे पर उतरना था, लेकिन हवाईअड्डा प्राधिकरण ने अंतिम समय पर विमान को उतरने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी यहां आने और फिर प्रयागराज जाने वाले थे, लेकिन एयरपोर्ट अथॉरिटी ने सरकार के दबाव के चलते उनके विमान को यहां लैंड नहीं करने दिया। उन्होंने कहा कि यहां ट्रैफिक जाम है और जानबूझकर अनुमति नहीं दी।

महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद को लेकर दोनों दलों के बीच टकराव शुरू

मुंबई। महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद जबरदस्त तौर पर राजनीतिक उठापटक देखने को मिली थी। भले ही भाजपा और शिवसेना ने एक साथ मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर दोनों दलों के बीच टकराव की स्थिति देखने को मिली थी। इसके बाद शिवसेना ने अपना रास्ता अलग चुना था। हालांकि, महाराष्ट्र में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। ऐसे में देवेंद्र फडणवीस ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार के साथ रातों रात हाथ मिलाकर सरकार बना ली थी। इसके बाद जबरदस्त तरीके से बवाल मचा था। राज्यपाल की भी भूमिका पर सवाल उठे थे। दावा किया गया था कि शरद पवार की सहमति के बिना ही अजित पवार ने भाजपा को एनसीपी का समर्थन दिया था। लेकिन अब इसी को लेकर भाजपा नेता और महाराष्ट्र के वर्तमान में उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बड़ा खुलासा किया है। देवेंद्र फडणवीस ने साफ तौर पर कहा कि उस दौरान जो भी घटनाक्रम हुआ, उस कवायद में एनसीपी प्रमुख शरद पवार का समर्थन प्राप्त था।

एफ-35 लड़ाकू विमानों ने 'एयरो इंडिया' में दिखाया दम

बेंगलुरु। युनाइटेड स्टेट्स एयर फोर्स (यूएसएएफ) के नवीनतम पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 लड़ाकू विमानों ने एशिया के सबसे बड़े एयर शो 'एयरो इंडिया' में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

स्टेल्थ (रडार की पकड़ से बचने में सक्षम), सुपरसोनिक, बहुउद्देशीय 'एफ-35ए लाइटनिंग टू' और 'एफ-35ए ज्वाइंट स्ट्राइक फाइटर' ने यहां वायु सेना स्टेशन येलहंका में पांच दिवसीय एयरोस्पेस और रक्षा प्रदर्शनी में पहली बार प्रदर्शन किया। अमेरिका के उताह में हिल वायुसैनिक अड्डे से यात्रा के बाद, एफ-35ए लाइटनिंग टू टीम ने मंगलवार को अपनी हवाई क्षमताओं के प्रदर्शन के साथ यहां मौजूद लोगों की भीड़ को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। अलास्का के ईल्सन वायुसैनिक अड्डे से आए एफ-35ए लाइटनिंग टू को प्रदर्शन के लिये रखा गया है। एफ-35 के अलावा 'एफ-16 फाइटिंग फाल्कन' ने भी हवाई प्रदर्शन में हिस्सा लिया और अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। एफ/ए-18ई और एफ/ए-18एफ सुपर हॉर्नेट बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान को भी प्रदर्शनी के लिये रखा गया है।

फ्रांस से 250 एयरबस विमान खरीदेगी एयर इंडिया

नई दिल्ली। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से नई एयर इंडिया-एयरबस साझेदारी के शुभारंभ में

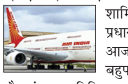

शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय आदेश और बहुपक्षीय प्रणाली की स्थिरता और संतुलन सुनिश्चित करने में भारत-फ्रांस भागीदारी प्रत्यक्ष भूमिका निभा रही है। चाहे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता का विषय हो या वैश्विक खाद्य सुरक्षा,भारत और फ्रांस साथ मिल कर सकारात्मक योगदान दे रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह महत्वपूर्ण सौदा भारत और फ्रांस के बीच गहरे होते संबंधों के साथ-साथ भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र की सफलताओं और आकांक्षाओं को दर्शाता है। मोदी ने कहा कि भारत इस क्षेत्र में विमानन क्षेत्र के लिए रखरखाव व मरम्मत का केंद्र (हब) बन सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारी रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के जरिए देश के दूर-दराज के हिस्सों को एयर कनेक्टिविटी से जोड़ा जा रहा है, जिससे लोगों का आर्थिक और सामाजिक विकास हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत के मेक इन इंडिया - मेक फॉर द वर्ल्ड विजन के तहत एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग में कई नए अवसर खुल रहे हैं।

मेघालय, नागालैंड में किसकी सजेगी बारात

समीर चौगांवकर

मेघालय और नागालैंड में चुनाव प्रचार अभियान के बीच राष्ट्रपति ने इन दोनों चुनावी राज्यों में नए राज्यपालों की नियुक्ति कर दी है। रविवार को जारी आदेश में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मणिपुर के राज्यपाल एल. गणेशन को नागालैंड का राज्यपाल और बिहार के राज्यपाल फागू चौहान को मेघालय का राज्यपाल नियुक्त किया है। इन दोनो राज्यों में 27 फरवरी को मतदान होगा। नागालैंड विधानसभा का कार्यकाल 12 मार्च को समाप्त हो रहा है, वहीं मेघालय विधानसभा का कार्यकाल 15 मार्च को समाप्त हो रहा है। तीनों राज्यों की विधानसभा में बराबर 60 सीटें है। पूर्वोत्तर के इन तीन राज्यों में इस साल सबसे पहले चुनाव होने जा रहे है। त्रिपुरा में जहां भाजपा की सरकार है, वहीं नागालैंड में नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी सत्ता में है। मेघालय में नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की सरकार है। शुरूआत कांग्रेस से करें तो मेघालय में कांग्रेस के लिए खोने के लिए कुछ नहीं है, क्योकि कांग्रेस के सभी विधायक कांग्रेस का साथ छोड़कर विभिन्न दलों में शामिल हो चुके थे। एक समय कांग्रेस मेघालय में मजबूत राजनीतिक ताकत थी। मुकुल संगमा के नेतृत्व में दो बार सत्ता में रही कांग्रेस 2018 में 21 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि कॉनराड संगमा की पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने 19 सीटें जीतीं ।एनपीपी ने अंततः भाजपा, यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी), पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (पीडीएफ) और हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (एचएसपीडीपी) और कुछ निर्दलीय विधायकों के साथ एक इंद्रधनुषी सरकार बनाई। 75 फीसदी ईसाई आबादी वाले मेघालय में दो विधायकों के साथ यह भाजपा की पहली सरकार थी ।एनपीपी भाजपा से नाता तोड़ चुकी है और मुकुल संगमा टीएमसी का चेहरा बन चुके हैं।

राज्य में चतुष्कोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। ऐसा इस राज्य में पहली बार हो रहा है, जिसमें एनपीपी, भाजपा, कांग्रेस और टीएमसी किस्मत आजमा रही हैं। भाजपा स्थानीय नेताओं से ज्यादा मोदी के नाम और नार्थ ईस्ट के लिए मोदी के किए गए काम पर निर्भर है।

इस कारण भाजपा की मेघालय में टैग लाइन है एम पावर मेघालय यानी मोदी ने मेघालय को दी मजबूती। उम्मीदवार की निजी लोकप्रियता के आधार पर चुनावी जीत या हार निर्धारित करने वाले इस राज्य के बारे में राजनीतिक जानकारों का कहना है कि नितांत स्थानीय मुद्दे, जिसमें ज्यादातर आदिवासी समुदायों से जुड़े हैं, वही महत्वपूर्ण साबित होंगे। भाजपा का दावा है कि वह 2018 की दो सीटों की तुलना में इस बार आंकड़ा 10-15 तक पहुंचा देगी। पार्टी की राज्य इकाई को कुछ मुद्दों पर अपने राष्ट्रीय रुख से पीछे हटने में भी कोई परहेज नहीं है। उदाहरण के तौर पर भाजपा के दो विधायकों में से एक संबोर शुल्लई सार्वजनिक तौर पर लोगों को अधिक गोमांस खाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। राज्य में कांग्रेस ही सबसे बुरी स्थिति में नजर आ रही है। 2018 के बाद सबसे पहले तो इसने चार विधायक गंवाए, जिसमें एक ने इस्तीफा दे दिया जबकि तीन की मृत्यु हो गई। नवंबर 2021 में मुकुल संगमा और 11 अन्य विधायक टीएमसी में शामिल हो गए और फिर पांच विधायकों ने एनपीपी के नेतृत्व वाली सरकार को अपने समर्थन की घोषणा कर दी जिसके बाद पार्टी आलाकमान ने उन्हें निलंबित कर दिया। उनमें से दो विधायक बीते दिसंबर में भाजपा में शामिल हो गए।

रातोंरात राज्य में मुख्य विपक्षी पार्टी बनी तृणमूल कांग्रेस अब पूर्वोत्तर में अपनी पहली जीत हासिल करने के लिए मुकुल संगमा के सियासी असर और प्रशांत किशोर की आई-पैक के चुनावी प्रबंधन से आसरा लगाए बैठी है। हालांकि मुकुल का प्रभाव क्षेत्र गारो हिल्स में है, जहां पूर्व लोकसभा अध्यक्ष पी.ए. संगमा की राजनीतिक विरासत संभालने वाले कॉनराड और उनके रिश्तेदार अहम खिलाड़ी बने हुए हैं।गारो हिल्स में 24 विधानसभा सीटें (करीब 20 फीसद आबादी) आती हैं, जबकि बाकी सीटें खासी जनजाति के वर्चस्व वाली खासी हिल्स और आमतौर पर जयंतिया जनजाति बहुल आबादी वाली जयंतिया हिल्स में आती हैं। कॉनराड और मुकुल, दोनों के लिए यह लड़ाई गारो हिल्स पर पकड़ बनाए रखने से ज्यादा खासी बहुल क्षेत्रों में भी अधिकतम सीटें जीतने की भी है।

वर्तमान में मेघालय विधानसभा में कुल 60 में से 18 सीट अभी रिक्त हैं। 42 विधायकों में एनपीपी के 20, यूडीपी के आठ, तृणमूल कांग्रेस के आठ, पीडीएफ और भाजपा के दो-दो, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का एक ओर एक निर्दलीय विधायक शामिल हैं। मेघालय के पिछले चुनाव में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला था। कांग्रेस 21 सीट पर जीत दर्ज कर सबसे बड़ी पार्टी बनी थी, लेकिन वह बहुमत से दूर रह गई।

नागालैंड में वर्तमान में नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) सत्ता में है। वर्तमान में राज्य विधानसभा में कुल 59 विधायक हैं, और एक सीट रिक्त है। इनमें एनडीपीपी के 41, भाजपा के 12, नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के चार, तथा दो निर्दलीय सदस्य हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में नागालैंड में किसी दल को बहुमत नहीं मिला था। पूर्व मुख्यमंत्री टीआर जेलियांग के नेतृत्व वाला एनपीएफ 26 सीटों पर जीत हासिल कर सबसे बड़े दल के रूप में उभरा।

सामुदायिक पुलिसिंग से बौखला उठे नक्सली

■ समनापुर गांव में पर्चा चस्पा किया

कवर्धा। कबीरधाम जिला पुलिस द्वारा शुरू किए गए सामुदायिक पुलिसिंग से नक्सली बौखला उठे है। क्योंकि इस अभियान से पुलिस व ग्रामीणों के बीच दोस्ती का रिश्ता बन चुका है। यही कारण है कि नक्सलियों को डर है कि उनके संगठन को नुकसान होगा। इस संबंध में कबीरधाम जिले के नक्सल प्रभावित थाना क्षेत्र झलमला जंगल के ग्राम समनापुर में नक्सलियों ने पर्चा चस्पा किया है। यह पर्चा भोरमदेव एरिया कमेटी ने चस्पा किया है।

कमेटी ने क्षेत्र के युवाओं को सामुदायिक पुलिसिंग से दूर रहने कहा है। इस पर्चे में नक्सलियों ने क्षेत्र के लोगों को पुलिस से मुखबिरी नहीं करने को कहा है। पर्चे में सीएम भूपेश बघेल, एसपी डॉ. लाल उमेंद सिंह का नाम भी है। हाल में ही पुलिस विभाग ने वनांचल क्षेत्र के लोगों को खेल से जोड़ने के लिए खेल समिति का गठन किया है। ज्यादातर खेल समिति नक्सल प्रभावित एरिया में खेल गतिविधि संचालित कर रही है। पर्चे में खेल समिति के संबंध में भी बातें लिखी है। पर्चा में लिखा है कि खेल समिति के माध्यम से युवाओं से मुखबिरी कराई जा रही है। इधर पर्चा मिलने के बाद कबीरधाम जिले में एक बार फिर

से नक्सलियों की आमद हो गई है। वर्तमान में मिले पर्चा के बाद पुलिस ने एमपी-सीजी बॉर्डर क्षेत्र के सभी थानों को अलर्ट किया है। साथ ही गश्त अभियान तेज किया है।

लंबे समय बाद भोरमदेव एरिया कमेटी की एक्टिविटी दिखी

यह पर्चा नक्सल संगठन भोरमदेव एरिया कमेटी ने चस्पा किया है। बीते कुछ वर्ष से इस संगठन का क्षेत्र में गतिविधि नहीं थी। अचानक से भोरमदेव एरिया कमेटी की एक्टिविटी सामने आया है। इस कमेटी में लाखों रुपए के ईनामी नक्सली भी काम कर रहे है। हालांकि जिले में जब शुरूआती दिनों में नक्सल संगठन तैयार हो रहा था, तभी इस भोरमदेव एरिया कमेटी का गठन किए जाने की बात सामने आई है। हालांकि इसके अलावा खटिया मोर्चा दलम, बोड़ला एरिया समेत अन्य नाम के भी नक्सलियों ने कमेटी बना रखा है।

सामुदायिक पुलिसिंग से पुलिस की पकड़ मजबूत

कबीरधाम पुलिस के सामुदायिक पुलिसिंग से पूरे प्रदेश में बेहतर काम किया है। इसके माध्यम से जिले के युवाओं के साथ-साथ वनांचल व नक्सल प्रभावित गांव के युवा विकास से जुड़े है। सामुदायिक पुलिसिंग अंतर्गत फोर्स एकेडमी, खेल समिति, क्रिकेट प्रतियोगिता, कबड्डी प्रतियोगिता, ओपन स्कूल के लिए परीक्षा फार्म, बच्चों के लिए नि:शुल्क कोचिंग समेत अन्य प्रकार की सामुदायिक गतिविधि कबीरधाम पुलिस ने शुरू किया है। सामुदायिक पुलिसिंग अंतर्गत फोर्स एकेडमी से निशुल्क प्रशिक्षण बीते पांच साल में करीब 500 से अधिक युवाओं की पुलिस, पैरामिलिट्री फोर्स, आर्मी समेत अन्य जगहों में सरकारी नौकरी लगी है। इस सामुदायिक पुलिसिंग से नक्सली बौखला गए है।

युवा कांग्रेस को कलेक्ट्रेट पहुंचने से पहले रोका

■ अडाणी मामले को लेकर जेपीसी से जांच कराने की मांग

कोरबा। जिला युवा कांग्रेस ने अडाणी के मामले में जेपीसी से जांच कराने की मांग को लेकर सुभाष चौक से पैदल मार्च निकालाए लेकिन कलेक्टोरेट पहुंचने के पहले पुलिस ने कोसाबाड़ी चौक पर ही बैरिकेड्स लगाकर रोक दिया। यहां युवा कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद मांग को लेकर संयुक्त कलेक्टर सेवाराम दीवान को राष्ट्रपति के नाम पर ज्ञापन सौंपा।

युवा कांग्रेसी सुभाष चौक पर जमा हुए। मार्च में भाग लेने प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष आशीष मोनू अवस्थी, प्रदेश महासचिव नीरज घोरे, मेयर राजकिशोर प्रसाद, जिला कांग्रेस अध्यक्ष सपना चौहान, ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप जायसवालए जिला महामंत्री विकास सिंह, युवा

कांग्रेस के ग्रामीण जिलाध्यक्ष विकास सिंह, शहर अध्यक्ष राकेश पंकज समेत बड़ी संख्या में युवा कांग्रेसी पहुंचे थे। पैदल मार्च शुरू होते ही युवा कांग्रेसियों ने केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आगे बढ़े। पैदल मार्च कलेक्टोरेट तक होना था, लेकिन पुलिस ने कोसाबाड़ी चौक के पास बैरिकेड्स लगाकर रोक दिया। युवा कांग्रेसियों ने बैरिकेड्स को भी लाने का प्रयास किया पर सफल नहीं हो पाए। ज्ञापन लेने संयुक्त कलेक्टर सेवाराम दीवान पहले से मौजूद थे। ज्ञापन लेने के बाद आंदोलन समाप्त हुआ। प्रदर्शन में तनवीर अहमद, संतोष राठौर, आकाश शर्मा, पवन विश्वकर्मा, विवेक श्रीवास, रहमान खान, शिवम राय समेत बड़ी संख्या में युवा कांग्रेसी मौजूद रहे।

युकां के प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष अवस्थी ने कहा एलआईसी और एसबीआई समेत राष्ट्रीय कृत बैंक के निवेश पर संसद में चर्चा करनी चाहिए। निवेशकों की सुरक्षा के लिए सरकार को कदम उठाना चाहिए। निष्पक्ष जांच सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और संयुक्त संसदीय समिति जेपीसी के तहत हो सकती है। युकां ग्रामीण व शहर के पदाधिकारी व कार्यकर्ता लंबे समय बाद एकजुट हुए। इसमें जिला महामंत्री विकास सिंह की प्रमुख भूमिका है। युकां के आंदोलन में वरिष्ठ कांग्रेसी शामिल नहीं होते थे। इस बार सभी दिखे। युकां चुनाव के बाद यह पहला प्रदर्शन था, जिसमें जिलेभर से कांग्रेसी पहुंचे।

पंचायत की अनदेखी से ग्रामीणों में गहराया जलसंकट

■ पेयजल की समस्या से जूझ रहे गंगौटी के ग्रामीण- कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सूरजपुर। गर्मी की मौसम ने अभी ठीक से दस्तक भी नही दिया है और ग्रामीण इलाकों में पेयजल की संकट गहराने लगा है। वहीं लोगों की इस समस्या का समाधान करने में ग्राम पंचायत भी नाकाम साबित हो रहा है।पंचायत की इस लापरवाही एवं सुस्त रवैये से नाराज ग्रामीण अब उच्चकार्यालय का दरवाजा खटखटाने को मजबूर हैं। ताजा मामला भैयाथान ब्लाक के ग्राम पंचायत गंगौटी का है जहां के ग्रामीणों को पेयजल के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है । वर्ष 2014- 15 में यहां नल-जल योजना के तहत पानी टंकी व पाईपलाईन का विस्तार किया गया था जिससे ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा मुहैया हो जाती थी पर कुछ वर्षों में असमय व कम वर्षा होने के कारण यहां का जल स्तर काफी नीचे चला गया है परिणामस्वरूप जितना पानी ग्रामीणों को मिलना चाहिए उतना उन्हें नही मिल पा रहा है । नल-जल योजना के लिए जिस स्थान पर पम्प हाउस बनाया गया है उस स्थान के ट्यूबेल से पर्याप्त पानी 'टंकी तक सप्लाई नही हो पा रहा है। ग्रामीणों की माने तो उक्त ट्यूबेल में अतरिक्त पाईप जोड़ने से उनकी समस्या का समाधान हो सकता है पर इस आवश्यकता की पूर्ति न ही ग्राम पंचायत कर पा रही है और न ही पीएचई विभाग। जबकि जानकार बताते हैं कि ग्राम पंचायत को सालाना लाखों रुपये शासन द्वारा सिर्फ पेयजल आपूर्ति के लिए ही प्रदाय किया

जाता है साथ पीएचई विभाग भी नल-जल से जुड़े ग्राम पंचायत को छोटी-मोटी जरूरतें पूरी करने के लिए राशि प्रदाय करती है परंतु इन राशियों का बंदरबांट कर लिया जाता है। जिम्मेदारों की ही इस लापरवाही व अनदेखी से आने वाले गर्मी में पेयजल की पूर्ति होगी या नही इस बात की चिंता ग्रामीणों को सताने लगी है।

सांसद प्रतिनिधि ने सौंपा ज्ञापन

ग्राम गंगौटी के ग्रामीणों की इस समस्या को लेकर यहां के युवा नेता व सांसद प्रतिनिधि सौरभ साहू ने समस्या से निजात दिलाने सूरजपुर कलेक्टर से गुहार लगाई है। उन्होंने ज्ञापन सौंपकर बताया है कि ग्राम गंगोटी में नल जल योजना संचालित है जहां ट्यूबेल के द्वारा टंकी में जल संग्रहण कर ग्रामीणों के घर तक सप्लाई की जाती है परंतु जलस्तर के नीचे चले जाने से ग्राम वासियों को पानी की व्यवस्था नही हो पा रही है। श्री साहू ने आने वाले गर्मी में पानी की समस्या न हो उसके लिए नल-जल योजना के ट्यूबवेल में 50 फीट पाइप अतरिक्त बढ़ाने की मांग कलेक्टर से की है।

आदर्श गांव आज के परिवेश में आवश्यक : विजय बघेल

■ हनोदा में आदर्श ग्राम जन्मोत्सव का आयोजन

दुर्ग। दुर्ग ब्लाक के हनोदा में आदर्श ग्राम जन्मोत्सव मनाया गया। जिसमें ग्राम गौरव सम्मान, संयुक्त परिवार सम्मान, बुजुर्ग सम्मान, प्रतिभा सम्मान, नशा मुक्त परिवार का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गृह,जेल व लोक निर्माण मंत्री ताम्रध्वज साहू थे। अध्यक्षता सांसद विजय बघेल ने की।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष शालिनी यादव, जनपद अध्यक्ष देवेन्द्र देशमुख, जनपद उपाध्यक्ष झमित गायकवाड़, जिला पंचायत सभापति योगिता चन्द्राकर, दुर्ग जिला कुम्भकार समाज के अध्यक्ष महेश भंवरे, गोड़ समाज के परिक्षेत्रीय अध्यक्ष चुरामन ठाकुर, सर्व सेन समाज के प्रदेश अध्यक्ष विनोद सेन,गायत्री परिवार के संरक्षक केके विनोद, अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष लता ऋषि चन्द्राकर, जिला साहू संघ के अध्यक्ष नंदलाल साहू, गुरु घासीदास सेवा समिति भिलाई के अध्यक्ष आरडी देशलहरा, जिला कोसरिया यादव समाज के अध्यक्ष बोधन यादव, कोसरिया मरार समाज दुर्ग राज के अध्यक्ष गया पटेल, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती हंसा डेविड, सरपंच तेजराम चंदेल विशेष अतिथि थे। स्वागत भाषण में हिमांशु साहू ने बताया कि जन्मदिन मनाने की

शुरुआत 2011 में स्वच्छता अभियान से हुई थी। फिर 2014 में 11 फरवरी को ग्राम के 54 परिवारों द्वारा शीतला तालाब में वृक्ष रोपे गए। उसी दिन को जीवंत बनाने व सभी समाजो में सामाजिक सद्भावना जगाने गायत्री परिवार द्वारा ग्रामीणों के साथ मिल कर हर वर्ष ग्राम जन्मोत्सव 11फरवरी को मनाया जाता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ताम्रध्वज साहू ने कहा कि आदर्श गांव आज के परिवेश में आवश्यक है। सभी समाज के लोगों को जागरूक होना होगा। तभी आदर्श गांव की कल्पना शत प्रतिशत साकार होगी। उन्होंने कहा कि यहाँ के युवा संस्कार वान बने, तभी परिवार संस्कारित होगा। श्री बघेल ने ग्राम जन्मोत्सव कार्यक्रम को अनुपम कार्यक्रम बताते हुए कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत मे ग्राम जन्मोत्सव का पहला आयोजन है। पढ़ना लिखना ही आवश्यक नही है। संस्कार का ज्ञान भी जरूरी है। संस्कार घर से ही सीखना चाहिए। शिक्षा मानव जीवन के विकास के लिए उपयोगी है। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष शालिनी यादव, लता चंद्राकर, योगिता चंद्राकर, कृष्ण कुमार विनोद ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन देवीप्रसाद साहू ने किया। इस दौरान हनोदा सरपच तेजराम चंदेल , उपसरपंच प्रवीण चंद्राकर, भरत चन्द्राकर, विकास चन्द्राकर, टीकम चन्द्राकर, कृष्ण कुमार टंडन, मनीष साहू, प्रकाश पटेल, यसवंत साहू, हिमासु साहू, राकेस साहू, थानेस्वर साह, गौकरण टंडन, अभय राम साहू अध्यक्ष साहू समाज,देवलाल ठाकुर अध्यक्ष गोंड़ समाज,जगमोहन कुर्रे अध्यक्ष सतनामी समाज,भूपेंद्र कुम्भकार अध्यक्ष कुम्भकार समाज,रामेश्वर यादव अध्यक्ष अध्यक्ष यादव समाज,सरवन पटेल अध्यक्ष पटेल समाज, देवी प्रसाद साहू,डॉ सी.एल.साहू, गौकरण टंडन,पंचराम कुम्भकार, युवा जन कल्याण संगठन के अध्यक्ष प्रकाश पटेल सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

इनका हुआ सम्मान ग्राम गौरव सम्मान दीपक चंद्राकर(नयाब तहसीलदार),पर्यावरण संरक्षण सम्मान दानेश्वर यादव,प्रतिभा सम्मान मोनिका चंद्राकर एवं मोलिशा साहू,मेघा बंजारे चित्रकला सम्मान से सम्मानित किया गया।

निस्तारी के लिए छोड़ा गया पानी स्टापडेम की गेट सड़ने से व्यर्थ बहा

■ गेट खराब होने की लगातार शिकायत, अधिकारी बैठे रहे मौन

पाटन। महाशिवरात्रि पर्व व आने वाले भीषण गर्मी को देखते हुए विकास खंड की लाइफलाइन कहे जाने वाली खारून नदी मे स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग व आग्रह से नदी तट पर बसे गांव वाले लोग निस्तारी कर पायेंगे। इस उद्देश्य से गंगरेल डेम से नाले के माध्यम से नदी पर पानी छोड़ा गया था, परंतु स्टाप डेम के गेट सड़ जाने व लिकेज के कारण बेवजह व व्यर्थ ही बह गया।ज्ञात हो कि दो तीन साल से ग्रामीणो द्वारा जनप्रतिनिधियों व जलसंसाधन विभाग के अधिकारियों से शिकायत की जा रही थी, कि तरीघाट एनीकट सड़ चूका है जिसका रिपेयरिंग अत्यंत आवश्यक है, परंतु अधिकारी मौन साधे बैठे रहे, अब आने वाले समय महाशिवरात्रि पर्व व भीषण गर्मी का है नदी के पानी बह जाने से आम जनमानस को भारी तकलीफों का सामना करना पड़ेगा,

असमाजिक तत्वों द्वारा बार बार खोलने की शिकायत

तरीघाट स्थित स्टाप डेम मे निस्तारी के लिए हमेशा पानी रखा जाता है, जिसको असमाजिक तत्वों द्वारा बिना कारणों के ही खोल दिया जाता है, जिसकी

शिकायत जलसंसाधन विभाग व स्थानीय जनप्रतिनिधियों से की गई थी, परंतु शिकायत के बाद कोई कार्यवाही नहीं,अधिकारी डेम को देखने तक नहीं आयें

गर्मी में पीने के पानी व निस्तारण में भारी दिक्कत

तरीघाट स्टाप डेम मे लिकेज के चलते डेम मे भरे हुए पानी बेवजह बह गया, जिसमे आने वाले समय भीषण गर्मी का है,अब खारून नदी तट पर बसे गांव तरीघाट,केसरा, परसलुडीह (रायपुर जिला) सोनपुर, सिपकोना मे भारी समस्याएं उत्पन्न होगी।

सचिव स्तर के अधिकारी ने किया था निरीक्षण

तरीघाट के ग्रामीणो ने मिट्टी कटाव व स्टाप डेम के सबंधित शिकायत बड़े स्तर पर किया था, जिसमें जलसंसाधन विभाग के सचिव स्तर के अधिकारियों ने दौरा निरीक्षण भी किया और स्थानीय अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए, परंतु स्थानीय अधिकारी द्वारा चुप्पी साधे हुए हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

सुरक्षा को लेकर कलेक्टर-एसपी ने किया राजनैतिक दलों से चर्चा

जगदलपुर। कलेक्टर चंदन कुमार और वरीष्ठ पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह मीणा ने जिले के सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से सुरक्षा और कानून व्यवस्था के संबंध में कलेक्टोरेट में मंगलवार को चर्चा किए। चर्चा में अधिकारियों ने धरना-प्रदर्शन, रैली, आमसभा के आयोजन, आयोजन की अनुमति,वीआईपी प्रवास और संवेदनशील क्षेत्रों में प्रवास की सूचना समय रहते देने का निवेदन किया। जिससे सभी जरूरी व्यवस्था की पूर्ण तैयारी किया जा सका। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने प्रशासन के द्वारा संवाद की पहल का सराहना करते हुए, जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा बढ़ाने,जगदलपुर शहर में धरना स्थल को परिवर्तन, जनसभा के लिए स्थल चिन्हांकन करने की और कानून व्यवस्था के संपर्क नम्बर जारी करने की मांग की। साथ ही राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने अन्य विषयों पर भी चर्चा किये। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अपर कलेक्टर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नक्सल, एसडीएम, सीएसपी सहित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भाजयुमो मंडल अध्यक्ष ने जिला अध्यक्ष को सौंपा इस्तीफा

बीजापुर। जिले के भोपालपटनम भाजपा के सक्रिय युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष गिरिजा शंकर तामडी ने मंडल अध्यक्ष और अन्य सभी पदों से इस्तीफा लिखकर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार को भेज दिया है। गिरिजा शंकर भोपालपटनम क्षेत्र के सक्रिय भाजपा नेता रहे, वे इससे पहले युवा मोर्चा के महामंत्री भी रहे। हालांकि त्यागपत्र में उन्होंने इस्तीफे का कारण नहीं लिखा है। पिछले 10 वर्षों से वे पार्टी में सक्रिय रहकर काम कर रहे थे लेकिन आज अचानक उनके भाजपा छोडने की खबर से बीजापुर में चर्चा का विषय बन गया है। भोपालपटनम भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष गिरिजा शंकर तामडी के इस्तीफे को नक्सल प्रभावित इलाकों के भाजपा पदाधिकारियों के लगातार हत्याओं से जोड़कर देखा जा रहा है। भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष का इस्तीफा का मुख्य कारण नक्सली भय को माना जा रहा है। भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार ने बताया कि भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष गिरिजा शंकर का इस्तीफा मिला है।

झोपड़ीपारा में क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया महापौर ने

कोरबा। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने वार्ड क्र. 14 पम्प हाउस झोपड़ीपारा में क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। उन्होने भारत माता के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन व पूजा अर्चना कर टूर्नामेंट का शुभारंभ कराया, खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा बैंटिंग कर प्रतियोगिता की शुरूआत कराई। उन्होने आयोजन समिति व खिलाड़ियों को बधाई व शुभकामनाएं दी तथा खिलाड़ीभावना के साथ खेल खेलने को कहा। नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 14 पम्प हाउस झोपड़ीपारा में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति प्रदान करते हुए टूर्नामेंट का शुभारंभ कराया। इस मौके पर उन्होने कहा कि इस तरह के खेल आयोजन से वार्ड व बस्तियों में छिपी खेल प्रतिभाओं को अपने खेल कौशल प्रदर्शित करने के अवसर प्राप्त होते हैं, इस तरह की प्रतियोगिताएं निश्चित रूप से आयोजित होनी चाहिए, इन्हीं आयोजनों से खिलाड़ी निकलकर जिला प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर खेलते हैं। उन्होने आयोजन समिति को बधाई व शुभकामनाएं दी।

विकास समिति ने बेजा कब्जा के खिलाफ खोला मोर्चा

कोरबा। दादरखुर्द ग्राम विकास समिति ने बेजा कब्जा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मामले की कलेक्टर से शिकायत की गई है। शिकायत में कहा गया है कि नगर पालिक निगम के वार्ड क्रमांक 31 के अंतर्गत दादरखुर्द में खसरा नंबर 1002 कुल रकबा 22 डिसमिल लगभग भूमि जो कि खसरा नंबर 1003 एवं 1004 से लगा हुआ है, जिसे भू.माफियाओं ने प्लाटिंग कर बिक्री कर दिया है। संबंधित व्यक्ति उसमें अपना मकान भी बना रहा है। उक्त संबंध में आसपास के किसानों ने पूर्व में शिकायत की थी, जिस पर तत्कालीन भू-अधीक्षक ने प्रतिवेदन पेश कर बेजा कब्जा हटाया था। चूंकि फेंसिंग एवं शासन का कब्जा तत्कालीन समय पर नहीं होने के कारण उक्त भूमि पर फिर से जमीन दलालों की नजर लग गई है। उसे टुकड़ों में बेचकर शासन को लाखों की क्षति पहुंचाई जा रही है। ज्ञात हो कि उक्त भूमि का खसरा नंबर शासन के रिकार्ड में स्पष्ट रूप से गोचर भूमि आम निस्तार हेतु रिक्त दिखाई जा रही है। आसपास के लोगों ने उक्त कब्जे को हटाने के लिए आवेदन दिया है।

सोलर पंप लगने से किसानों को खेती करने हो रही आसानी

कांकेर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही सौर सुजला योजना से ग्रामीण अंचलों में रहने वाले लोगों के जीवन में बदलाव आ रहा है। पहुंचविहीन एवं अविद्युतीकृत क्षेत्रों में सौर सुजला योजना के माध्यम से सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे किसानों के खेत लहराने लगे हैं तथा किसानों को सिंचाई के लिए परेषान नहीं होना पड़ता है। पूर्व में बिजली के अभाव में कई किसानों के द्वारा डीजल पंप का इस्तेमाल कर खेतों में सिंचाई किया जा रहा था, लेकिन डीजल के दाम बढ़ने के कारण छोटे किसानों के पहुंच से बाहर हो गया, जिससे निराष होकर किसान धान का उत्पादन भगवान भरोसे कर रहे थे। अब सौर सुजला योजना से सिंचाई सुविधा मिलने से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं, सोलर पंप लगने से बंजर खेतां में किसान मड़िया, सरसां, उड़द जैसी दलहन, तिलहन फसलों का उत्पादन कर रहे हैं, जिससे किसानों की आय में बढ़ोत्तरी हुई है। विकासखण्ड चारामा के ग्राम चपेली निवासी मालती मण्डावी ने भी अपने गांव में कृषक के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है।

नियमितीकरण न कराने पर निगम ने सील की 9 दुकानें

कोरबा। आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय के निर्देश पर अब निगम ने अनियमित विकास व निर्माण का नियमितीकरण न कराने वालों के प्रति कड़ा रूख अख्तियार किया हुआ है तथा मकान, दुकान को सील करने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। इसी कड़ी में पं.रविशंकर शुक्लनगर, निहारिका, कोसाबाड़ी व पावर हाउस रोड कोरबा में 09 दुकानें सील कर दी गई हैं, अब नियमितीकरण कराने पर ही इन दुकानों को खोला जाएगा। आयुक्तश्री प्रभाकर पाण्डेय ने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि वे अपने अनियमित निर्माण का नियमितीकरण अवश्य कराएं, शीघ्र से शीघ्र निगम में आवेदन दें तथा इस दिशा में की जाने वाली किसी भी प्रकार की कार्यवाही से होने वाली

असुविधा से बचें।

यहाँ उल्लेखनीय है कि शासन ने अनियमित रूप से विकास व निर्माण करने वालों के हित में निर्णय लेते हुए अनियमित विकास के नियमितीकरण की योजना लागू की है। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा इस दिशा में ठोस कार्यवाही करते हुए अनियमित रूप से किए गए मकानों, दुकानों, भवनों आदि के निर्माण के संबंध में सर्वेक्षण कराया गया तथा संबंधितों को नोटिस दी गई कि वे नियमितीकरण हेतु तत्काल अपने आवेदन प्रस्तुत करें तथा नियमितीकरण कराएं। निगम के अधिकारियों ने ऐसे अनियमित निर्माण करने वाले लोगों के घरों में दस्तक देकर उन्हें समझाईश भी दी तथा नियमितीकरण कराने के फायदों से उन्हें अवगत कराया किन्तु इसके बावजूद कतिपय लोगों द्वारा नियमितीकरण की दिशा में रूचि नहीं दिखाई गई और उनके द्वारा आवेदन प्रस्तुत नहीं किए गए।

आयुक्त प्रभाकर पाण्डेय के निर्देश पर निगम ने अब इस दिशा में कड़ा रूख अख्तियार करते हुए मकान, दुकान, भवनों आदि को सील करने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। इसी कड़ी में आज पं.रविशंकर शुक्लनगर में 05, निहारिका के पीछे स्थित 01 जिम को, कोसाबाड़ी में 01 तथा पावर हाउस रोड कोरबा में 01 दुकान, निहारिका रोड में स्थित महासेल की बेसमेंट शॉप की 01 दुकान को सील किया गया, अब इन दुकानों को सीलिंग से मुक्त तभी किया जाएगा, जब उनके द्वारा नियमितीकरण कराया जाएगा अन्यथा अवैध निर्माण मानकर उस पर कार्यवाही की जाएगी। निगम के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा निगम के सभी जोनांतर्गत भ्रमण कर अनियमित निर्माण करने वालों को लगातार समझाईश व चेतावनी दी जा रही है कि वे नियमितीकरण हेतु जल्द से जल्द अपने आवेदन प्रस्तुत करें तथा अनियमित निर्माण का नियमितीकरण करा लें।

गोबर खरीदी बंद पाए जाने पर भड़के कलेक्टर

■ निगम आयुक्त और गौठान प्रभारी को लगाई फटकार, दोनों को नोटिस जारी

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर। जिले के चिरमिरी नगर स्थित छोटा बाजार के गौठान में गोबर खरीदी बंद पाए जाने तथा क्रय किए गए गोबर से वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने में लापरवाही बरतने के मामले में कलेक्टर पी.एस. ध्रुव ने निगम आयुक्त और गौठान प्रभारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनसे जवाब-तलब किया है। कलेक्टर ध्रुव ने गौठान में संचालित गतिविधियों का जायजा लेने के लिए आकस्मिक रूप से छोटा बाजार गौठान पहुंचे थे। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान यह पाया कि गौठान में गोबर की खरीदी नहीं की जा रही है। वर्मी टांकों में तैयार वर्मी कम्पोस्ट को निकालकर उसकी पैकेजिंग भी नहीं की जा रही है। इस स्थिति को देखकर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी जताई और

शासन की महत्वपूर्ण योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही के चलते नगर निगम आयुक्त विजेंद्र सिंह और और गौठान प्रभारी प्रभारी सहायक अभियंता हेमशंकर गजेंद्र को कड़ी फटकार लगाई। कलेक्टर ने दोनों अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दो दिन के भीतर जवाब तलब किया है।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान यह पाया कि गौठान में पहले से खरीदे गए गोबर की समय पर टांकों में भराई न होने की वजह से सूख रहे हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी से गोधन योजना के तहत सभी मापदंडों के अनुरूप काम करने की हिदायत दी।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

पत्रकारिता के बजाय एजेंडा चलाता है बीबीसी : भाजपा

नईदिल्ली। मुंबई और दिल्ली में बीबीसी के दफ्तर में आज आयकर विभाग ने सर्वे किया। इसको लेकर विपक्षी नेता अब सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमलावर हो गए हैं। दूसरी ओर भाजपा ने साफ तौर पर कहा है कि कानून के तहत कार्रवाई की जा रही है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पत्रकारिता के बजाय एजेंडा चलाता है बीबीसी। उन्होंने कहा कि देश संविधान और नियम से चलता है। कोई भी संस्था हो, उसे भारतीय कानून को मानना पड़ेगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि भारत के आगे बढ़ने से दुनिया की कुछ संस्थाएं परेशान है। बीबीसी विश्व की सबसे भ्रष्ट संस्था हो गई है। बीबीसी का इतिहास कलंकित और द्वेष पूर्ण भावना से भरपूर है। इसके साथ ही उन्होंने विपक्षी दलों के नेताओं से कहा कि कानूनी कार्यवाही पर बयानबाजी ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की अखंडता को चोट पहुंचाने का बीबीसी प्रयास करता है।

राहुल को वाराणसी में उतरने नहीं दिया गया : कांग्रेस

वाराणसी। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के विमान को सोमवार देर रात वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री हवाईअड्डे पर उतरने की इजाजत नहीं दी गयी। कांग्रेस का आरोप है कि ऐसा बदले की भावना से किया गया। कांग्रेस के नेता अजय राय ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के विमान को उनके वायनाड संसदीय क्षेत्र से लौटने पर वाराणसी हवाई अड्डे पर उतरना था, लेकिन हवाईअड्डा प्राधिकरण ने आखिरी समय में विमान को उतरने की अनुमति नहीं दी। राय ने कहा कि हवाई अड्डा प्राधिकरण दबाव में था और उन्होंने राष्ट्रपति मुर्मू की यात्रा का बहाने के तौर पर इस्तेमाल किया। राय ने कहा कि वह और पार्टी के अन्य नेता राहुल गांधी की अगवानी के लिए हवाई अड्डे पर थे लेकिन उनके विमान को जानबूझकर हवाईअड्डे पर उतरने नहीं दिया गया। इसके बाद राहुल गांधी को दिल्ली लौटना पड़ा। राय ने कहा कि राहुल गांधी वाराणसी में उतरने के बाद मंगलवार को प्रयागराज के कमला नेहरू मेमोरियल अस्पताल में एक समारोह के लिए प्रयागराज जाने वाले थे।

कांग्रेस को कुछ चाहिए, तो सीधा आकर बात करेः तेजस्वी

पटना। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कांग्रेस की ओर से मंत्रिमंडल में मंत्री पद की मांग किये जाने पर कहा है कि टीवी पर कोई बात रखने से मंत्री पद नहीं मिलता है। कैबिनेट विस्तार पर कोई बात तभी होगी जब गठबंधन के सहयोगी मिल बैठकर बात करेंगे। टीवी पर मांगने से कैबिनेट विस्तार नहीं होने वाला है। तेजस्वी ने कहा कि कांग्रेस के नेता टीवी पर कैबिनेट विस्तार की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक मुझसे किसी ने कोई बात नहीं की है। टीवी पर मांग नहीं की जाती है। इसलिए यदि उनको कुछ चाहिए, तो सीधा आकर बात करें। दरअसल बिहार में महागठबंधन सरकार में शामिल कांग्रेस लगातार मंत्रिमंडल विस्तार की मांग कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष अपने विधायक के आधार पर दो मंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने कैबिनेट विस्तार को लेकर पूछे गए सवाल पर साफ कह दिया है कि यह मसला डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव देखेंगे।

कभी नहीं सोचा था, झूठ का सहारा लेंगे फडणवीसः पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजीत पवार के साथ मिलकर बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने 23 नवंबर, 2019 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली थी। हालांकि, यह सरकार दो दिन भी पूरे नहीं कर सकी थी। जिसको लेकर आज तक महाराष्ट्र की सियासत में चर्चाएं होती रहती हैं। दरअसल, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का कहना है कि अजीत पवार को साथ लेकर सरकार बनाने से पहले एनसीपी के मुखिया शरद पवार से बात की गई थी। वहीं, अब फडणवीस के इस दावे पर एनसीपी के प्रमुख शरद पवार ने आपत्ति जताई है और कहा कि मैं उनको एक सभ्य और समझदार आदमी समझता था। मैंने कभी नहीं सोचा था, वह झूठ का सहारा लेंगे। वहीं, कांग्रेस के नेता अशोक चव्हाण ने भी देवेंद्र फडणवीस के बयान को गलत बताते हुए कहा कि शरद पवार ऐसे नेता रहे हैं, जो हमेशा से खुलकर बात करते रहे हैं।

त्रिपुरा में चुनाव परिणाम फंसा तो हम बनेंगे किंगमेकरः बिजॉय

अमबासा। टिपरा मोथा के अध्यक्ष बिजॉय कुमार ह्रांगखावल ने कहा कि त्रिपुरा विधानसभा के आगामी त्रिकोणीय चुनावों में बिना किसी गठबंधन या पार्टी के बहुमत हासिल करने में गतिरोध की स्थिति में किंगमेकर की भूमिका में आने के लिए तैयार है। टिपरा मोथा के मुताबिक किसी भी पार्टी या गठबंधन (या तो भाजपा या कांग्रेस-वाम गठबंधन) को बाहर से समर्थन देने को तैयार है लेकिन इसके लिए एक शर्त माननी होगी। वह यह कि सरकार बनाने वाली पार्टी कागज पर सहमत हो कि वह एक अलग आदिवासी राज्य के निर्माण की हमारी मांग को मान लेगी। टिपरा मोथा राज्य की क्षेत्रीय पार्टी है जो राज्य के आदिवासी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में वोटरों को आकर्षित कर रही है। हरंगखाल ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी ने चुनाव पूर्व गठबंधन की संभावना पर गुवाहाटी में एक बैठक की, जहां उन्होंने असम के मुख्यमंत्री और दिल्ली के दो भाजपा नेताओं से मुलाकात की, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला।

अदाणी मामले पर बोले गृहमंत्री - विपक्ष केवल शोर मचाना जानता है, सबूत हों तो कोर्ट जाएं, वो तो हमारे कब्जे में नहीं है

2024 में कोई स्पर्धा नहीं है, देश एकतरफा मोदी के साथ : शाह

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया कि केंद्र की पहल के कारण जमीनी स्तर पर लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है और 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। शाह ने कहा कि देश की जनता पूरे दिल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ चल रही है।

एक विशेष साक्षात्कार में गृह मंत्री शाह ने आगामी लोकसभा चुनाव की रणनीतियों, हिंडनबर्ग रिपोर्ट और विपक्ष के खिलाफ अपनी तैयारियों की लेकर बातें कीं। अमित शाह ने कहा कि 2024 में कोई स्पर्धा नहीं है, देश एकतरफा मोदी के साथ आगे बढ़ रहा है। देश की जनता को तय करना है, अभी तक तो लोकसभा में मुख्य विपक्षी पार्टी का लेबल जनता ने किसी को नहीं दिया है। शाह ने इसके साथ ही कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ सहित इस साल होने वाले चुनावों में भाजपा के अच्छे प्रदर्शन पर भरोसा जताया।

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ उनकी भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल गांधी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में उभरने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर शाह ने कहा कि तीन राज्यों में चुनाव है और देखना होगा कि इसका क्या असर होता है।

गौरतलब है कि त्रिपुरा, नागालैंड, मेघायल में इसी महीने के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। भाजपा इन राज्यों में जोरशोर से प्रचार कर रही है लेकिन राहुल गांधी इन राज्यों में अभी तक प्रचार करने नहीं पहुंचे हैं। इस सवाल पर अमित शाह ने कहा कि राज्य में आना कांग्रेस सांसद के लिए समय की बात हो सकती है, लेकिन पार्टी के लिए परिणाम होना चाहिए। देखते हैं क्या परिणाम आता है।

देश के प्रमुख व्यवसायी गौतम अडानी की कंपनियों को लेकर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट पर अमित शाह ने कहा कि इसमें भाजपा के लिए कुछ छुपाने के लिए नहीं है। गृह मंत्री ने

कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मामले का संज्ञान लिया है। कैबिनेट का सदस्य होने के नाते इस समय इस मुद्दे पर मेरा कुछ भी बोलना सही नहीं होगा। परन्तु इसमें भाजपा के लिए कुछ छुपाने के लिए नहीं है और न ही किसी बात से डरने की जरूरत है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के उस आरोप को नकारा, जिसमें विपक्ष द्वारा केंद्र पर ये आरोप लगाया गया कि सरकार विपक्ष के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करती है। जब पेगासस का मुद्दा उठाया गया था तो मैंने कहा था कि सबूत के साथ कोर्ट जाओ, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। ये सिर्फ शोर मचाना जानते हैं। उन्होंने आगे कहा, कोर्ट तो हमारे कब्जे में नहीं है।

वहीं देश की अर्थव्यवस्था को लेकर शाह ने कहा कि भारत ने सभी क्षेत्रों में प्रगति की है और आंतरिक सुरक्षा को बढ़ावा देने और रक्षा में आयात-निर्भरता को कम करने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। उन्होंने देश को सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बताया। शाह ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रयास और आठ वर्षों में भारत की अन्य देशों पर निर्भरता को 30 प्रतिशत कम करना एक बड़ी उपलब्धि है।

उग्रवाद और आतंकवाद पर गृह मंत्री ने कहा कि वामपंथी उग्रवाद अपने अंत की ओर है। बिहार और झारखंड में वामपंथी उग्रवाद लगभग समाप्त हो चुका है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर हमारी एजेंसियों का नियंत्रण और दबदबा है। पूर्वोत्तर में, हमने (समस्याओं का) समाधान ढूंढ लिया है और उग्रवादी संगठनों के 8,000 से अधिक सदस्य मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। बकौल अमित शाह- मुझे विश्वास है कि छत्तीसगढ़ में भी कुछ ही समय में शांति बहाल करने में हम सफल होंगे। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से संबंधित सभी प्रकार के आंकड़े सबसे अच्छी स्थिति में हैं।

संसद की कार्यवाही एक्सपंज वाक्यों से भरी पड़ी है

संसद में एक्सपंज (अमर्यादित टिप्पणियों को रिकॉर्ड से हटा देना) पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पहली बार एक्सपंज नहीं हुआ है। संसद की कार्यवाही एक्सपंज वाक्यों से भरी पड़ी है। संसद में नियमों के हिसाब से बहस करनी होती है, संसदीय भाषा में करनी होती है।

साक्षात्कार में जी20 सम्मेलन की भारत द्वारा अध्यक्षता से जुड़े सवाल पर अमित शाह ने कहा कि अगर प्रोडक्ट अच्छा है तो उसे गाजे बाजे के साथ मार्केट करना ही चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी का काम देश और दुनिया के सामने गौरव के साथ रखा जाना चाहिए। ये पूरे भारत का गौरव है।

पीएफआई कैडर पर कई मामले थे उन्हें समाप्त करने का काम कांग्रेस ने किया

केंद्र द्वारा पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर कार्रवाई को लेकर उन्होंने कहा कि कैडर पर कई मामले थे जिसे कांग्रेस ने समाप्त करने का काम किया, जिसे कोर्ट ने रोका...। गृह मंत्री ने कहा, हमने पीएफआई को सफलतापूर्वक बैन किया। पीएफआई देश में धर्मांधता और कट्टरता बढ़ाने वाला संगठन था। आतंकवाद का एक प्रकार से सामग्री तैयार करने का काम वे लोग कर रहे थे।

देशों को उपदेश देने में विश्वास नहीं करता भारत: रक्षामंत्री

■ **इशारों में चीन पर राजनाथ सिंह का हमला**

नई दिल्ली। बेंगलुरु एयर शो में मंगलवार रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने विभिन्न देशों के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन की अध्यक्षता की। इस दौरान अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत सहायता की जरूरत वाले देशों को उपदेश या पूर्व निर्धारित समाधान देने में विश्वास नहीं रखता है। एयरो इंडिया में विभिन्न देशों के रक्षा मंत्रियों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने आतंकवाद और गंभीर सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए सभी

देशों को एकजुट होने का आह्वान किया।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत पुराने पितृसत्तात्मक या नव औपनिवेशिक प्रतिमानों में सुरक्षा मुद्दों से निपटने में विश्वास नहीं करता है और यह हमेशा उनका मुकाबला करने के लिए एक सामूहिक दृष्टिकोण को प्राथमिकता देता है। हम सभी देशों को भागीदार मानते हैं और उनके आंतरिक मामलों या उन पर कोई सुपर नेशनल समाधान थोपने की कोशिश नहीं करते। रक्षा मंत्री ने कहा कि हम धर्मोपदेश या पहले से निर्धारित समाधान देने में विश्वास नहीं करते हैं और सहायता चाहने वाले देशों के राष्ट्रीय मूल्यों का सम्मान करते हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत अपने सहयोगी देशों की क्षमता निर्माण का समर्थन करता है, ताकि वह खुद अपनी नियति तय कर सकें। ऐसे देश हैं, जो सैन्य, तकनीक और समृद्ध हैं लेकिन उन्हें इस बात का अधिकार नहीं है कि वह मदद वाले देशों पर अपना समाधान थोपें। माना जा रहा है कि राजनाथ सिंह ने यह टिप्पणी चीन के संदर्भ में की है। चीन पर आरोप लगते हैं कि वह कर्ज के जाल में फंसाकर देशों पर दबाव बनाने की रणनीति बनाता है। रक्षा मंत्री ने रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन से इतर कई डिफेंस कंपनियों के सीईओ से भी मुलाकात की। ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्यूफैक्चरर्स कंपनियों के सीईओ के साथ राजनाथ सिंह की मुलाकात हुई, जिसमें देश में हथियारों के निर्माण को बढ़ाने पर बात हुई।

प्रधानमंत्री त्रिपुरा में वाम-कांग्रेस गठबंधन को लेकर बेचैन: माणिक सरकार

संतिरबाजार। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री और माकपा नेता माणिक सरकार ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनावी राज्य में वाम-कांग्रेस गठबंधन को लेकर बेचैन हो गए हैं। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के संविधान का पालन नहीं करने और त्रिपुरा में लोकतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि दो प्रतिद्वंद्वियों - वाम और कांग्रेस- ने राज्य में 'फासीवादी' शासन को समाप्त करने के लिए हाथ मिलाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 11 फरवरी को एक चुनावी रैली के दौरान त्रिपुरा में कांग्रेस-माकपा गठबंधन पर जमकर निशाना साधा था और कहा कि दोनों दलों ने केरल में सामान्य 'कुश्ती' के बजाय पूर्वोत्तर राज्य में 'दोस्ती' करना चुना, जो अजीब है।

दक्षिण त्रिपुरा के संतिरबाजार में एक चुनावी रैली में सरकार ने कहा, आपने कहा कि दो दल, जो एक राज्य (केरल) में आपस में लड़ रहे हैं, यहां मित्र बन गए हैं। यह सच है कि केरल में माकपा के नेतृत्व वाला मोर्चा सरकार चला रहा है जहां कांग्रेस विपक्ष में है। लेकिन वहां लोकतंत्र जीवंत है, जो त्रिपुरा में नदारद है। भाजपा यहां संविधान का पालन नहीं कर रही है और फासीवादी शासन चल रहा है। माकपा के वरिष्ठ नेता ने यह भी कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि प्रधानमंत्री वाम-कांग्रेस गठबंधन को लेकर बेचैन हो गए हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

न्यूजीलैंड को हराकर दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल की दौड़ में

पार्ल। क्लो ट्रायोन के हरफनमौला प्रदर्शन से मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड पर 65 रन की बड़ी जीत से सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। ट्रायोन ने 34 गेंद में 40 रन की शानदार पारी खेली जिससे दक्षिण अफ्रीका शुरुआती झटकों से उबर कर छह विकेट पर 132 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा करने में सफल रहा। उन्होंने इसके बाद तीन ओवर में 12 रन देकर दो विकेट चटकाये। ट्रायोन को गेंदबाजी में नॉनकुलुलेको म्लाबा (4-0-10-3) का शानदार साथ मिला। बायें हाथ के इन स्पिन गेंदबाजों की फिरकी की सामने न्यूजीलैंड की टीम 67 रन पर आउट हो गयी। इस जीत ने दक्षिण अफ्रीका के नेट रन रेट (1.550) में सुधार हुआ। टीम ग्रुप एक तालिका में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गयी। शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। लगातार दो हार झेलने के बाद न्यूजीलैंड तालिका में सबसे निचले पायदान पर है और टीम के लिए अंतिम-चार में पहुंचने की संभावना अब खत्म हो गयी है। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन न्यूजीलैंड को ऑफ स्पिनर ईडन कार्सन (23 रन पर दो विकेट) से गेंदबाजी की शुरुआत करने का फायदा हुआ। उन्होंने पहले ओवर में ही ताजमिन ब्रिट्स को एक रन पर पगबाधा कर दिया। मरीजान काप की नौ रन की पारी को लिया ताहुहू ने खत्म किया। सलामी बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट और सुने लुस ने पावरप्ले ने कुछ अच्छे शॉट लगाये जिससे छह ओवर में दक्षिण अफ्रीका ने दो विकेट पर 44 रन बना लिये। कप्तान लुस 17 गेंदों में 22 रन बनाकर रन आउट हो गयी। वोल्वार्ड्ट (13) तहुहू का दूसरा शिकार बनी। डेलमी टकर को कार्सन ने चलता किया जिससे दक्षिण अफ्रीका की आधी टीम 12.3 ओवर में पवेलियन लौट गयी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

दो दिनों की गिरावट के बाद बाजार में हरियाली लौटी

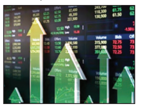

नई दिल्ली। बीते दो दिनों की गिरावट के बाद सेंसेक्स में मंगलवार को मजबूती दिखी। मंगलवार के कारोबारी सेशन के बाद सेंसेक्स 600.42 अंकों की बढ़त के बाद 61,032.26 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी 158.95 अंकों की बढ़त के साथ 17929.85 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन बाजार की बढ़त में आईटी, बैंकिंग और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में मजबूती दिखी। निफ्टी में जिन शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दिखी उनमें यूपीएल और आईटीसी के शेयर प्रमुख रहे। दोनों ही शेयरों में तीन-तीन प्रतिशत की मजबूती दिखी। वहीं अपोलो हॉस्पिटल और आयशर मोटर्स के शेयरों में दो-दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

थोक महंगाई दर में जनवरी में आई गिरावट

नई दिल्ली। थोक महंगाई दर में जनवरी महीने में घटकर 4.73 प्रतिशत हो गई है। इससे पहले दिसंबर 2022 में यह यह 4.95 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों में इसका खुलासा किया गया है। थोक महंगाई दर में लगातार आठवें महीने में गिरावट दर्ज की गई है। ऐसा निर्माण क्षेत्र के उत्पादों, ईंधन और ऊर्जा की कीमतों में राहत के कारण दर्ज किया गया है। थोक महंगाई दर जनवरी 2022 में 13.68% दर्ज की गई थी। हालांकि जनवरी महीने में फूड इन्फ्लेशन 2.38 प्रतिशत बढ़ा है दिसंबर महीने में इसमें 1.25 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक जनवरी 2023 में थोक महंगाई दर में होने वाली गिरावट में मिनिरल ऑयल, केमिकल व केमिकल उत्पादों, वस्त्रों, क्रूड पेट्रोलियम और नैचुरल गैस और खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी का योगदान रहा।

हिंडनबर्ग के भंवर से निकलने के लिए अडानी ने बदली स्ट्रैटिजी

नईदिल्ली। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में आई सूनामी के चलते कंपनी को बड़ा नुकसान हुआ है। कंपनी ने अपनी स्ट्रैटिजी में बदलाव किया है। कंपनी अब कर्ज चुकाने पर फोकस कर रही है। कर्ज प्रीपेमेंट करके, लोन के बोझ को कम करके निवेशकों के विश्वास को दोबारा हासिल करना चाहती है। वहीं लागत में कैश बचाने तक फोकस कर रही है। शेयरों में लगातार आ रही गिरावट के बाद अडानी समूह ने अपने रेवेन्यू ग्रोथ के टारगेट को 40 फीसदी तक घटाकर आधा कर दिया है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद कंपनी का मार्केट कैप 117 अरब डॉलर कर गिर चुका है। कंपनी का कमाई गिर चुकी है। अब कंपनी अपने डैमेज को सुधारने में जुट गई है। कंपनी ने अपने रेवेन्यू ग्रोथ के टारगेट को घटा दिया है। अडानी समूह ने अगले वित्तीय वर्ष के लिए ग्रोथ के टारगेट को 40 फीसदी से घटाकर 15-20 फीसदी ग्रोथ तय किया है।

डाक घर निर्यात केंद्रों से छोटे कारोबारियों को प्रोत्साहन

नई दिल्ली। डाक घर निर्यात केंद्रों से देश का निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे छोटे कारोबारियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। डाक विभाग में सचिव विनीत पांडेय ने कहा कि अपने कम लागत ढांचे एवं सुगम प्रक्रिया की वजह से डाक घर छोटे और मझोले कारोबारियों के लिए उपयुक्त हैं। भारतीय डाक अमृतपेक्स-2023 की ओर से आयोजित कार्यक्रम में पांडेय ने कहा कि विभाग एक व्यापक योजना बना रहा है। इसका मकसद डाक घर के नेटवर्क को 'एक जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी), छोटे कारोबारियों और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए उपयोगी बनाना है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों का देश की जीडीपी में 8 फीसदी योगदान है। कुल विनिर्माण में इसकी 45 फीसदी और देश के निर्यात में 40 फीसदी हिस्सेदारी है। देश का निर्यात अप्रैल-दिसंबर, 2022 में 9 फीसदी बढ़कर 332.76 अरब डॉलर पहुंच गया।

बड़े पूंजीपतियों के साथ खड़े होने में दिक्कत किसे है?

संजय तिवारी

आज कांग्रेस के नेता राहुल गांधी मोदी अडानी संबंधों पर जिस तरह का सवाल पूछ रहे हैं कुछ इसी तरह का सवाल भाजपा नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने कांग्रेस के रिलायंस से संबंधों पर उठाया था। संसद में बोलते हुए उन्होंने कांग्रेस और रिलायंस के संबंधों को रियल एलायंस करार दिया था। कांग्रेस का अंबानी परिवार के संबंधों पर यहां तक कहा जाने लगा था कि कांग्रेस पार्टी अंबानी की दुकान है। इसमें बहुत हद तक गलत भी नहीं था। अंबानी परिवार का कांग्रेस में अत्यधिक दखल था। मुरली देवड़ा और प्रणव मुखर्जी के जरिए अंबानी परिवार ने जबर्दस्त घुसपैठ बनायी थी। अपने व्यापारिक लाभ के लिए अंबानी जैसा चाहते, कांग्रेस वैसी नीति बना देती। अंबानी का मशहूर वाक्य कि कानून मत तोड़ो, कानून को बदल दो, इसी की ओर संकेत करता है। लेकिन 2014 से पहले दोनों के संबंध बिगड़ गये। 5जी स्पेक्ट्रम को लेकर दोनों में शुरु हुई कलह अलगाव तक चली गयी और अंबानी ने अपने लिए नया खेवनहार चुन लिया। दूसरी तरफ गांधी परिवार ने इसे अपने साथ व्यक्तिगत धोखाधड़ी माना और अंबानी को निशाने पर ले लिया।

2014 आम चुनाव से पहले मोदी की अगुवाई में देश के बड़े उद्योगपति बदलाव की पहल में जुट गये। उनका वाइब्रंट गुजरात कार्यक्रम इसका बड़ा जरिया बना। इसमें ज्यादातर उद्योगपति गुजरात के थे और मोदी भी गुजरात से ही आते थे। अंबानी से भी ज्यादा मोदी के करीब अडानी थे जिनका मोदी से व्यक्तिगत संबंध पुराना था। मोदी के कठिन दिनों में जब वो गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब अडानी ही एकमात्र ऐसे उद्योगपति थे जो पूरी तरह से संकट काल में मोदी के साथ थे। 2014 आमचुनाव से पहले 2013 में मोदी ने देशभर में चुनावी रैलियां की थीं। इन

रैलियों में पहुंचने के लिए मोदी अडानी का निजी विमान इस्तेमाल करते थे। यह सब कोई गुप्त रहस्य नहीं है। ये सब सार्वजनिक तथ्य हैं जो हर जागरुक मतदाता को पता हैं। शायद यही कारण है कि 2018 में यूपी में निवेशकों के भूमिपूजन कार्यक्रम में उन्होंने साफ तौर पर कहा भी कि हमें पूंजीपतियों का अपमान क्यों करना चाहिए? उन्हें चोर डकैत कहना जरूरी है? ये सब क्या है? इस मौके पर उन्होंने साफ कहा था कि हमें पूंजीपतियों के साथ खड़ा होने में डरना नहीं चाहिए। अगर आपका मन साफ है तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किसके साथ खड़े दिखाई देते हैं। स्वाभाविक है कांग्रेस हो या बीजेपी। सोशलिस्ट युग की समाप्ति के बाद दोनों आर्थिक विकास का साझीदार पूंजीपतियों को ही मानते हैं। 2009 के आम चुनाव से पहले लालकृष्ण आडवाणी ने देश के बड़े पूंजीपतियों के साथ बैठक की थी। अपने पृथ्वीराज रोड स्थित आवास पर उन्होंने देश के प्रमुख पूंजीपतियों को बुलाया था ताकि वो भविष्य के विकास की रुपरेखा खींच सके। हालांकि 2009 में भाजपा चुनाव नहीं जीत पायी और उद्योगपतियों के साथ हुई बैठक सिर्फ एक इवेन्ट बनकर रह गयी।

लेकिन कांग्रेस भाजपा की कलह से अलग सच्चाई ये है कि देश में आर्थिक असमानता बहुत तेजी से बढ़ रही है। दुनिया में आर्थिक गतिविधियों पर नजर रखनेवाली निजी संस्था ऑक्सफैम की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के 100 सबसे धनी लोगों की कुल संपत्ति 660 अरब डॉलर (54.12 लाख करोड़ रुपये) है। इनमें भी भारत के 21 सबसे अमीर अरबपतियों के पास मौजूदा समय में देश के 70 करोड़ लोगों से ज्यादा दौलत है। सर्वाइवल आफ द रिचेस्ट नाम से जारी ऑक्सफैम की रिपोर्ट में बताया गया है कि कोरोना काल में जब औसत भारतीय के सामने सर्वाइव करने का संकट पैदा हो गया था ठीक उसी दौर में हमारे देश के अरबपतियों की पूंजी में रॉकेट की तरह उछाल आया। नवंबर 2022 तक उनकी संपत्तियों में 121 प्रतिशत का उछाल आया। अर्थात दोगुने से भी अधिक। कोरोना काल में भारत के औसत अरबपति कारोबारी ने हर मिनट अपनी संपत्ति में 2.5 करोड़ रूपये की वृद्धि की। भारतीय अर्थव्यवस्था में यह विरोधाभास ही किसी भी सरकार या पार्टी की आर्थिक नीति पर सवाल खड़ा करता है। ऐसा नहीं है कि आज मोदी सरकार कोई पहली बार पूंजीपतियों को ग्रोथ इंजिन बता रही है। सरकार कोई भी हो, वो पूंजीपतियों के विकास को ही राष्ट्र का विकास मानती रही है।

समाचार पचीसा
रायपुर, बुधवार 15 फरवरी 2023

राज्यपालों की नियुक्ति के जरिए यूपी की राजनीति साधने की कोशिश

अखिलेश वाजपेयी

भाजपा नेतृत्व ने चुनावी गणित के लिहाज से सबसे महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश के अखाड़े में एक और सियासी दांव चल दिया है। वर्तमान राजनीतिक माहौल में भाजपा का यह दांव अगड़ों को साधने के साथ दलितों को भी पार्टी के साथ जोड़ने का प्रयास है। राज्यपालों की नियुक्ति के जरिए भाजपा ने 2024 के मद्देनजर सोशल इंजीनियरिंग को फिर से दुरुस्त करने की कोशिश की है। यह भी बताने की कोशिश की है कि पार्टी के फैसले पर किसी खास व्यक्ति का प्रभाव नहीं चल रहा है। रविवार को प्रदेश से दो और राज्यपाल बनाने के बाद अब उत्तर प्रदेश से सात राज्यपाल या एलजी हो गए हैं। रविवार को नियुक्त राज्यपालों में शिवप्रताप शुक्ल को हिमाचल प्रदेश और विधान परिषद सदस्य लक्ष्मण आचार्य को सिक्किम का राज्यपाल बनाया गया है। वहीं बिहार में राज्यपाल पूर्व मंत्री और कई बार विधायक रहे फागू चौहान को बिहार से मेघालय तथा अरुणाचल के राज्यपाल सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर डॉ. बी.डी. मिश्र को लद्दाख का एलजी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा यूपी से ही आने वाले कलराज मिश्र राजस्थान, मनोज सिन्हा जम्मू-कश्मीर तथा आरिफ मोहम्मद खान केरल के राज्यपाल हैं। इस तरह प्रदेश से बनाए गए राज्यपालों में चार अगड़े, एक अति पिछड़ा, एक दलित और एक मुस्लिम है। अगड़ों में तीन ब्राह्मण, एक भूमिहार है।

सिर्फ राज्यपालों के चेहरों पर नजर दौड़ाएंगे तो अति पिछड़ी जातियों व दलितों का प्रतिनिधित्व कम नजर आएगा, जिस पर सवाल उठ सकता है। पर, राजनीतिक फैसलों को टुकड़ों-टुकड़ों में देखने पर किसी भी दल की रणनीति को समझना हमेशा मुश्किल होता है। इसलिए संगठन का प्रदेश में नेतृत्व संभाल रहे जाट बिरादरी से आने वाले भूपेन्द्र चौधरी, सरकार का नेतृत्व संभाल रहे क्षत्रिय समाज के चेहरे योगी आदित्यनाथ, पिछले कुछ महीनों में राज्यसभा व विधान परिषद के लिए मनोनीत किए गए चेहरों में दी गई अति पिछड़ी जातियों व अति दलित जातियों को तवज्जो से जोड़कर यदि इस निर्णय का विश्लेषण करें तो भाजपा की रणनीति समझने में आसानी रहेगी। यह भी समझ में आ जाएगा कि भाजपा ने किस तरह पार्टी के अंदरूनी संतुलन को साधने के साथ वोट की सामाजिक गणित साधा है। राजनीतिक समीक्षकों का कहना है कि प्रदेश से दो ताजा नियुक्तियों में एक ब्राह्मण की नियुक्ति के पीछे निश्चित रूप से मंशा कहीं न कहीं संघ प्रमुख के पंडितों को लेकर दिए गए बयान की प्रतिक्रिया को रोकना है। शिवप्रताप शुक्ल को राज्यपाल बनाकर भाजपा ने एक तरह से गोरखपुर ही नहीं पूर्वांचल में अगड़ों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है। पूर्वांचल की राजनीति में खासतौर से गोरखपुर और आसपास शिवप्रताप शुक्ल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खेमे से बाहर के माने जाते हैं। गोरखपुर के ही डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल को पहले राज्यसभा भेजना और अब प्रदेश व केंद्र में मंत्री रह चुके शुक्ल को राज्यपाल बनाकर भाजपा शायद यह बताना चाहती है कि पार्टी के फैसलों पर किसी एक खास चेहरे का प्रभाव नहीं है। ध्यान रहे कि शुक्ल के अलावा डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल भी पिछले कुछ वर्षों से योगी खेमे से बाहर थे। इससे पार्टी हाईकमान ने वर्चस्व की सियासत को तवज्जो न देने का संदेश दिया है। यह भी बताने की कोशिश की है कि काम करने वाले तथा निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी। वाराणसी के लक्ष्मण आचार्य की राज्यपाल पद पर नियुक्ति के पीछे भी कार्यकर्ताओं के ख्याल एवं समर्पण को सम्मान का संदेश देने का प्रयास नजर आता है। साथ ही उनके जरिए पूर्वी उत्तर प्रदेश के दलित व जनजातीय समाज को एक साथ साधने की भी कोशिश दिखती है।

भारत संकट में सबकी मदद करता है

आनंद कुमार

तुर्की और सीरिया के कई इलाकों में 7.9 की तीव्रता वाले भूकंप की ख़बरों के आने के थोड़ी ही देर बाद भारत से भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में मदद भेजे जाने की ख़बरें आने लगीं। ऑपरेशन दोस्त नाम के इस अभियान में भारत की वायुसेना का सी17 ग्लोबमास्टर जहाज राहत सामग्री, राशन, दवाओं इत्यादि के साथ उड़ान भर चुका था। विदेशी मामलों के केन्द्रीय राज्य मंत्री वी मुरलीधरन का बयान भी फौरन आ गया जिसमें उन्होंने कहा कि हम संकट की इस घड़ी में तुर्की की हर संभव मदद करेंगे। ऐसा भी नहीं था कि ये सिर्फ जबानी जमा-खर्ची चल रही थी। फ़िलहाल तुर्की में चार टीमें काम कर रही हैं जिसमें दो बचाव दल हैं, खोजी कुत्तों के दल हैं और दो मेडिकल टीम भी हैं। भारत ने तुर्की में एक फील्ड हॉस्पिटल भी बनाकर तैयार कर दिया है। ख़बरों और तस्वीरों में लगातार पीड़ित महिलाओं और बच्चों की मदद के वीडियो-चित्र भी आने शुरू हो गए हैं।

एनडीआरएफ के तीन बचाव दल और मेडिकल सहायता की टीमें अपना काम कर रही हैं। ये टीमें भी दवाओं, खोजी कुत्तों के दलों, कम्बल इत्यादि जरूरी चीजों और चार पहिया वाहनों से लैस हैं। तुर्की के राजदूत भारत द्वारा फ़ौरन दी गयी मदद के लिए आभार जता चुके हैं। इसी बीच इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान ने राहत सामग्री और मदद लेकर तुर्की की ओर जा रहे हवाई जहाजों को अपनी वायुसीमा से होकर जाने की इजाजत नहीं दी। घूमकर, लम्बी दूरी तय करके भारतीय जहाज तुर्की पहुंचे। गौर करने लायक ये भी है कि तुर्की नाटो (एनएटीओ) का सदस्य देश है, इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय कहलाने वाले संगठनों से वहां इतनी जल्दी मदद नहीं पहुंच पायी थी। भारत के पक्ष से सोचकर देखें तो वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा के कारण संकट आते ही मदद के लिए निकल पड़ना भारतीय लोगों के लिए उतना विचित्र नहीं है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए ये घटना अवश्य विचित्र होगी। अंतराष्ट्रीय मंचों पर तुर्की अक्सर भारत के विरुद्ध पाकिस्तान का समर्थन करता दिखा है। जैसा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में दावा किया था – राष्ट्रों को बिना बदले में कोई अपेक्षा रखे चुनौतियों और आपदाओं के समय एक दूसरे से सहयोग एवं समन्वय के माध्यम से कोई हल ढूंढना चाहिए, बिलकुल वैसा ही किया गया। लेकिन तुर्की के इस्लामिक नजरिए से सोचा जाए, तो ये आपदा भी अल्लाह का ही अजाब समझा जाएगा। इस्लामिक किताबों (कुरान और हदीस) में लिखा है कि जहां सूदखोरी बढ जाती है वहां जलजला आता है। संभवत- इस्लाम की इसी शिक्षा से प्रेरित होकर एर्दोगॉन ने तुर्की में ब्याज दरें घटा दीं क्योंकि वो भी सरकार की सूदखोरी को हराम मानते हैं। वहां सरकार ने ब्याज की दरें 19 फीसदी से घटाकर सीधे 9 प्रतिशत कर दी। इससे जलजला तो रुका नहीं लेकिन तुर्की की मुद्रा धड़ाम से नीचे गिर गयी।

तुर्की के राजदूत भारत द्वारा फ़ौरन दी गयी मदद के लिए आभार जता चुके हैं। इसी बीच इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ पाकिस्तान ने राहत सामग्री और मदद लेकर तुर्की की ओर जा रहे हवाई जहाजों को अपनी वायुसीमा से होकर जाने की इजाजत नहीं दी। घूमकर, लम्बी दूरी तय करके भारतीय जहाज तुर्की पहुंचे। गौर करने लायक ये भी है कि तुर्की नाटो (एनएटीओ) का सदस्य देश है, इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय कहलाने वाले संगठनों से वहां इतनी जल्दी मदद नहीं पहुंच पायी थी। भारत के पक्ष से सोचकर देखें तो वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा के कारण संकट आते ही मदद के लिए निकल पड़ना भारतीय लोगों के लिए उतना विचित्र नहीं है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए ये घटना अवश्य विचित्र होगी।

पिछले वर्ष 2022 में तुर्की की मुद्रा में गिरावट जारी रही और यह डॉलर के मुकाबले 30 प्रतिशत कमजोर हुई। मुद्रास्फीति यानी महंगाई के बढ़ने की दर पहले ही वहां 85 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। इसकी वजह से तेल, भोजन सामग्री और दूसरी जरूरी चीजों के मूल्य भी आसमान छू रहे हैं। तुर्की की नीतियां सिर्फ आर्थिक मामलों में ही विफल नहीं रही हैं। मजहबी कट्टरपंथ की ओर अग्रसर देश की विदेश नीति भी असफल रही है। एर्दोगान ने पड़ोसी देश सीरिया में असद की सरकार को गिराने की भी कोशिश की थी। सीरिया में गृहयुद्ध जैसे हालात हुए तो लगभग 25 करोड़ (3.5 मिलियन) सीरियाई शरणार्थियों को भी एर्दोगान ने तुर्की में शरण दी हुई थी जिससे तुर्की के आर्थिक स्रोतों पर असर पड़ा और तुर्की की जनता में भारी असंतोष फैला। हाल के दौर में स्वीडन, फिनलैंड आदि देशों में कुरान को जलाए जाने की वजह से विवाद भड़का और तुर्की में भी फिनलैंड-स्वीडन इत्यादि के खिलाफ प्रदर्शन शुरु हो गये। ऐसे में नाटो की मदद में देरी होना आश्चर्यजनक नहीं। यूरोपीय देश भी इस भीषण आपदा में जिसमें 28 हजार से अधिक लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है, मदद के लिए ठिठक गये।

भारत के तुर्की से संबंधों की बात की जाए तो मध्यकाल से ही तुर्क भारत के लिए हमलावर रहे हैं। भारत में तुर्क हमले 1001 ई. में महमूद गजनवी के जिहाद से ही शुरू हो गये थे। गजनवी ने भारत पर 1000 ई. से 1027 ई. के बीच कई बार हमले किये। मंदिरों को तोड़ने का जो गजनवी का इतिहास था, उसी से प्रेरित होकर बाद में तालिबान ने बामियान में बुद्ध की मूर्तियां तोड़ी थीं। गजनवी के बाद उसके भांजे सलार मसूद ने भारत पर असफल आक्रमण किया और बहराइच की जंग में राजा सुहेलदेव राजभर के हाथों मारा गया। उसकी मजार बनाकर आज भी उस पर बहराइच में मेला लगता है। इस करारी हार के बाद कुछ समय तक तुर्क रुके मगर फिर मुहम्मद घोरी का दौर आया, और दिल्ली से हिन्दुओं के शासन का अंत हो गया।

यहां यह ध्यान देने लायक है कि एक समुदाय विशेष जहां ऐसी हार-जीत को सदियों याद रखता है, वहीं हिन्दुओं में बुरी बातों को भुला देने की परंपरा है। संभवत: यही कारण है कि जब क्लैश ऑफ सिविलाइज़ेशन्स जैसी पुस्तकों में सभ्यताओं के आपसी संघर्ष के बारे में लिखा जाता है, तो उसमें हिन्दुओं को संघर्षरत नहीं दिखाया जाता। इस विषय में ली कुआन यू का एक संस्मरण था जिसमें वो पीढ़ियों तक एक समुदाय के संघर्षरत रहने की बात करते हैं। साथ ही वो कहते हैं कि जो कौम अपनी अगली पीढ़ी को झगड़े-फसाद देकर जाती हो, वो भला सुखी कैसे हो सकती है?

श्री संगम का लिखा हुआ सोमनाथ पर चढ़ाई शीर्षक का एक लेख है जो समाज (साप्ताहिक, काशी) में दिसम्बर 1947 में निकला था। इस व्यंग के अनेकों अंश बहुत ही सुन्दर थे इसलिए आचार्य रामचंद्र वर्मा ने लोकभारती प्रकाशन से आने वाली पुस्तक अच्छी हिन्दी में इसका उदाहरण की तरह प्रयोग किया था। बनाइए नए सिरे से सोमनाथ का मंदिर! महमूद गजनवी की आंखों का कांटा बनिए। गजनवी और गोरी को तैयारी करने दीजिए। आप पृथ्वीराज की भांति क्षमताशील बने रहिए। और सबसे आखिर में सोमनाथ की चढाई में लिखे इस व्यंग को जरूर समझिए कि अपनी नीयत के पैमाने पर शत्रु की नीयत नापने की पुरानी परिपाटी न छोड़िए। श्री संगम ने जो व्यंग किया है उसे समझकर अब नीयत में बदलाव लाने की जरूरत है। अब नयी परिपाटी भी शुरु होना जरूरी है जब संकट में मदद करने के बाद, दुश्मन को दोस्त कहते हुए भी उसकी नीयत पर नजर बनाकर रखना होगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

ब्रह्मबिन्दूपनिषद् (भाग-02)

गतांक से आगे...

शरीर की इन तीनों जाग्रत, स्वप्न और सुषुप्ति अवस्थाओं में एक ही आत्मतत्त्व का सम्बन्ध मानना चाहिए। जो भी व्यक्ति इन तीनों अवस्थाओं से परे हो गया है, उस व्यक्ति का दूसरा जन्म फिर नहीं होता।

समस्त भूत प्राणियों का एक ही अन्तर्यामी हर एक प्राणी के अन्त:करण में विद्यमान है। अलग-अलग जल में प्रतिबिम्बित चन्द्रमा की तरह वही एक, अनेक रूपों में दिखाई देता है। घट (घड़े) में आकाश तत्त्व पूर्णरूप से विद्यमान है; किन्तु जिस प्रकार घड़े के क्षत-विक्षत होने पर मात्र घड़े का ही विनाश होता है, उसमें भरे हुए आकाश तत्त्व का नहीं, उसी प्रकार शरीर धारण करने वाला जीव भी आकाश के ही सदृश है। शरीर के विनष्ट होने से आत्मा का विनाश नहीं होता, वह शाश्वत है। समस्त जीव प्राणियों का भिन्न-भिन्न शरीर, घट के ही समान है, जो बार-बार टूटता फूटता या विनाश को प्राप्त होता रहता है। यह विनाश को प्राप्त होने वाला जड़ शरीर अपने अन्त:करण में विद्यमान चिन्मय परब्रह्म को नहीं जानता; किन्तु वह सभी का साक्षी परमात्मा, सभी शरीरों को सदा से जानता रहता है। जब तक नाम-रूपात्मक अस्तित्व रखने वाली माया के द्वारा (यह) जीवात्मा आवृत रहता है, तब तक बँधे हुए की भाँति हृदय-कमल में स्थित रहता है, जब अज्ञान रूपी अन्धकार का विनाश हो जाता है, तब ज्ञान रूपी प्रकाश में विद्वान् पुरुष जीवात्मा एवं परमात्मा के एकत्व का दर्शन प्राप्त कर लेता है। शब्द ब्रह्म (प्रणव) और परब्रह्म दोनों ही अक्षर हैं। इन दोनों में से जिस किसी एक के क्षीण होने पर जो अक्षय की स्थिति में बना रहता है, वह (परब्रह्म) ही वास्तविक अक्षर (अविनाशी) है। विद्वान् पुरुष यदि शान्ति चाहते हों, तो उन्हें उस अक्षर रूप परब्रह्म का ही चिन्तन करना चाहिए।

दो विद्याएँ जानने योग्य हैं, प्रथम विद्या को शब्द ब्रह्म और दूसरी विद्या को परब्रह्म के नाम से जाना जाता है। शब्द ब्रह्म अर्थात् वेद शास्त्रों के ज्ञान में निष्णात होने पर विद्वान् मनुष्य परब्रह्म को जानने की सामर्थ्य प्राप्त कर लेता है।

ज्ञानी मनुष्य को चाहिए कि ग्रन्थ का अभ्यास करने के पश्चात् उसमें निहित ज्ञान-विज्ञान को (मूलतत्त्व को) ग्रहण कर ले, तदनन्तर ग्रन्थ को त्याग देना चाहिए। ठीक उसी भाँति, जैसे कि धान्य (अन्न) को प्राप्त करने वाला व्यक्ति अन्न तो प्राप्त कर लेता है और पुआल को खलिहान में ही छोड़ देता है।

अनेक रूप-रंगों वाली गौओं का दुग्ध एक ही रंग का होता है। ठीक वैसे ही बुद्धिमान् व्यक्ति अनेक साम्प्रदायिक चिह्नों को धारण करने वाले मनुष्यों के विवेक को भी गौओं के दूध की तरह ही देखता है। बाहर के चिह्न भेद से ज्ञान में किसी भी तरह का अन्तर नहीं आने पाता।

जिस प्रकार दूध में घृत (घी) मूल रूप से छिपा रहता है, उसी तरह ही प्रत्येक प्राणी के अन्त:करण में विज्ञान (चिन्मय ब्रह्म) स्थित रहता है। जैसे घृत प्राप्ति के लिए दूध का मंथन किया जाता है, वैसे ही विज्ञान स्वरूप ब्रह्म की प्राप्ति के लिए मन को मथानी रूप में परिणत करके सतत मन्थन (ध्यान एवं विचार) करते रहना चाहिए। इसके पश्चात् ज्ञान दृष्टि प्राप्त करके अग्नि के सदृश तेज स्वरूप परमात्मा का इस भाँति अनुभव करें कि वह कला शून्य, निश्चल एवं अतिशान्त परब्रह्म मैं स्वयं ही हूँ। यही विज्ञान कहा गया है।

क्रमश:...

साहित्य-इतिहास में ठाकुर राम सिंह का योगदान

हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में 15 फरवरी सन् 1915 में जन्मे ठाकुर राम सिंह जी एक ऐसी अमर विभूति थी जिन्होंने भारतीय इतिहास में हुए तथाकथित भ्रष्टाचार व कुरीतियों को मिटा कर सही भारतीय इतिहास को नए सिरे से रचने का बीड़ा खुद के कंधों पर उठाया था। भारत में शिक्षा जगत में भारतीय इतिहास के सही और ग़लत होने पर जितनी बहस और चर्चा है, उतनी अन्य किसी विषय पर नहीं है। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि ऐसे महान् पुरुषों व शख्सियतों के विषय में जाना जाए जिन्होंने भारत के सच्चे इतिहास को खोजने व रचने में अपनी अग्रणी भूमिका अभिनीत की हो। इस कार्य में ठाकुर राम सिंह जी का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

ठाकुर जी ऐसे इतिहासविद् हुए जिन्होंने केवल इतिहास को पढ़ा ही नहीं, बल्कि गलत रचे इतिहास के पीछे छिपे सच्चे और वास्तविक इतिहास को जाना और स्वयं इतिहास गढ़ा भी। ठाकुर जी का जीवन एक नदी के प्रवाह जैसा रहा है। ठाकुर जी भारतीय सनातन परंपरा के विचारक थे। इससे आगे बढ़कर वे इस परंपरा के व्यवहार थे। उनका हिंदू चिंतन उनके व्यवहार में उतरा था। ठाकुर जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुशल स्वयंसेवक व जमीन से जुड़े हुए ऐसे प्रचारक रहे जिनके अंदर जो उग्रता थी, वह तोड़ती नहीं थी, वह हम सबको उनसे जोड़ती थी। वह कार्य और व्यवहार के अनुरूप थी।

ठाकुर जी की भारतीय इतिहास दृष्टि इतनी दूरगामी थी कि वह भारत के गौरवमयी इतिहास के प्रति एक व्यापक और सूक्ष्म दृष्टिकोण रखते थे। उन्होंने अपने जीवन काल में भारत के इतिहास के पुनर्लेखन की पृष्ठभूमि तैयार कर विकृतिकरण के छद्म दृष्टिकोणों के निराकरण के सुझाव प्रदान किए। वे स्वयं इतिहास के श्रेष्ठ छात्र थे और स्वाधीनता आंदोलन की प्रत्येक घटना के साक्षी थे।

इसी कारण उन्होंने पराधीन भारत के इतिहासकारों द्वारा लिखे गए भारत के इतिहास के दृष्टिकोणों को तथ्यों सहित समाज के समक्ष रखा। ठाकुर जी की मान्यता थी कि किसी भी राष्ट्र के निर्माण एवं उज्ज्वल भविष्य के उदय के लिए उस राष्ट्र के इतिहास का विशेष योगदान रहता है। विदेशी आक्रांता ग्रीक, मुसलमान रहे हों या अंग्रेज, वे इन तथ्यों को भली-भांति जानते थे कि यदि किसी राष्ट्र पर शासन करना हो तो उसके इतिहास को सर्वप्रथम नष्ट कर दो।

ठाकुर राम सिंह जो इस बात पर बल देते थे कि काल, इतिहास की आत्मा है। भारत में काल की प्राचीन अवधारणा ही काल की वैज्ञानिक अवधारणा है। ठाकुर राम सिंह जी काल की प्राचीन अवधारणा के अनुसार इतिहास लेखन के पक्ष में थे। उनका कहना था कि भारत ही ऐसा राष्ट्र है जहां प्रकृति का इतिहास और मानव इतिहास काल के खंडों में विद्यमान है। उनका कहना था कि इतिहासकारों को इस पर बहुत सावधानी से तथ्यपूर्ण सामग्री संकलित कर इन दोनों पक्षों पर इतिहास लेखन करना चाहिए। इसी दृष्टिकोण से ठाकुर जी ने 197 करोड़ वर्षों के इतिहास लेखन का बीड़ा उठाया था।

चीनी बैलून प्रकरण के मायने

अनिल त्रिगुणायत

अमेरिकी वायु सीमा में चीन के एक विशाल बैलून को गिराये जाने की घटना ने स्वाभाविक रूप से दुनिया का ध्यान खींचा है। लंबे समय से अनेक कामों, जैसे- पर्यावरण और जलवायु संबंधी जानकारी जुटाने के लिए गुब्बारों का प्रयोग होता रहा है और सभी बड़े देशों ने ऐसा किया है। जापान ने द्वितीय विश्व युद्ध में बैलून का इस्तेमाल किया था। अमेरिका ने भी ऐसा किया है, लेकिन चीन ने जासूसी और सामरिक ठिकानों की जानकारी जुटाने के लिए गुब्बारों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है।

जब अमेरिका में चीनी गुब्बारे को देखा गया, तो कई दिन तक वहां भी असमंजस की स्थिति रही थी और बाद में उसे नष्ट किया गया। चीन ने भी इस संबंध में सही जानकारी नहीं दी। अगर हम चीन की बात सही भी मान लें कि इस बैलून का मकसद मौसम से जुड़ी सूचनाएं जमा करना था और यह रास्ता भटक गया था, तो उसे यह सब पहले ही अमेरिका और अन्य देशों को बता देना था, जहां इसे देखा गया। अब ऐसे बैलून अत्याधुनिक तकनीक से लैस होते हैं और रियल टाइम में अपने कंट्रोल सेंटर को सूचनाएं भेजते रहते हैं। कई देश ऐसे बैलूनों का उपयोग कर रहे हैं।

इस संबंध में एक बड़ी समस्या गुब्बारों की ऊंचाई को लेकर है। इस संबंध में उड्डयन के जो अंतरराष्ट्रीय नियम और समझौते हैं, उनमें बैलूनों को लेकर स्पष्टता नहीं है, लेकिन यह तो स्पष्ट है कि अगर किसी देश की कोई भी वस्तु किसी देश की वायु सीमा में बिना अनुमति के प्रवेश करती है, तो इसे उस देश की संप्रभुता का उल्लंघन माना जाता है। चीन ने कहा है कि बैलून अपने निर्धारित रास्ते से भटक गया था। ऐसा अगर होता है, तो उस देश को इस संबंध में सूचना तुरंत संबंधित देश को देनी चाहिए।

ऐसा नहीं हुआ, तो अमेरिका ने उसे मार गिराया। कनाडा ने भी यही कदम उठाया है। इस तरह की बातें कई महीने से सुनने में आ रही हैं। शायद एक चीनी गुब्बारा हमारे अंडमान और निकोबार क्षेत्र के ऊपर से भी गया था। यह हमें समझना होगा कि चीन कोई भी काम निर्दोष भावना से नहीं करता है। उसके पीछे एक योजना होती है। अगर चीन पर्यावरण और जलवायु से संबंधित कोई शोध कर रहा है, तो वह इसे अंतरराष्ट्रीय सहयोग से भी कर सकता है, क्योंकि इससे पूरी दुनिया को लाभ हो सकता है। अमेरिका और चीन के बीच तनाव के बावजूद अनेक क्षेत्रों में सहयोग रहा है। उदाहरण के लिए वुहान प्रयोगशाला को लिया जा सकता है।

इस प्रकरण के समय को भी देखा जाना चाहिए। जब यह गुब्बारा अमेरिका वायु सीमा में देखा गया था, उसी दौरान अमेरिकी विदेश सचिव एंथोनी ब्लिंकेन को चीन की यात्रा करनी थी। इस मुद्दे के चलते उन्होंने यह दौरा रद्द कर दिया। मेरा मानना है कि चीन ऐसे में जान-बूझकर यह नहीं करता, क्योंकि वह चाहता था कि ब्लिंकेन की यात्रा हो। जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई थी, तो दोनों ने यह तय किया था किसी भी मसले को बातचीत से सुलझाया जायेगा, पर कुछ लोग मानते हैं कि चीन इस दौरे को स्थगित करना चाहता था, लेकिन यह गुब्बारा तो कई दिनों से इधर-उधर घूम रहा था। जिस तरह से कई दिनों के बाद इसे गिराया गया और मामले को तूल दिया गया, उससे एक और बात निकलती है। राष्ट्रपति बाइडेन का 'स्टेट ऑफ यूनियन' संबोधन भी बीते दिनों हुआ। पूरे भाषण में मुख्य रूप से देश के विकास के बारे में बोला गया और चीन एवं रूस को लेकर चंद बातें ही कही गयीं। चीन के संबंध में उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका की संप्रभुता पर हमला हुआ, तो उसका जोरदार जवाब दिया जायेगा। इसके लिए गुब्बारा एक मददगार कारक बना।

इसी प्रकार चीन ने भी शुरू में बहुत धीमे अंदाज में प्रतिक्रिया दी। उसने कहा कि बैलून को गिराकर अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन किया गया। उसने यह नहीं कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अवहेलना की गयी, क्योंकि उसे पता है कि कोई भी संप्रभुता की रक्षा के लिए ऐसी कार्रवाई कर सकता है। मेरा मानना है कि दोनों देशों के बीच आपसी भरोसे की बड़ी कमी है और प्रतिस्पर्द्धा तो है ही। मुख्य बात यह है कि अमेरिका चाहता है कि चीन खुले तौर पर रूस की मदद न करे।

इसीलिए वह चीन से बात करना चाहता है। साथ ही, वह यह भी चाहता है कि चीन इधर-उधर फंसा भी रहे। बहरहाल, अमेरिका और चीन के बीच जो भी स्थिति हो, भारत को इस प्रकरण को पैनी निगाह से देखना चाहिए। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि चीन भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और रहेगा। हालांकि दोनों देश संवाद और कूटनीति की बात करते हैं और यह ठीक भी है, लेकिन चीनी चुनौती को लेकर हमें सचेत रहना होगा। अंडमान के ऊपर बैलून दिखना, कुछ समय पहले भारत के समुद्री तटों के निकट से उसके जासूसी जहाजों का गुजरना, पाकिस्तान की ओर से ड्रोन आना आदि घटनाएं हमें आगाह करती हैं।

हम किसी भी स्तर पर अपनी सुरक्षा और सजगता को लेकर निश्चिंत नहीं रह सकते हैं। ये बैलून एक प्रकार के सैटेलाइट हैं। अंडमान में हमने अपना संयुक्त सैन्य कमान बनाया है। उसके ऊपर से बैलून का गुजरना निश्चित ही एक गंभीर मामला है और चीन ऐसी हरकतें करता रहेगा। जहां तक अमेरिका और चीन की बात है, तो दोनों देश आपसी तनाव को फिलहाल एक सीमा से आगे नहीं बढ़ने देंगे। वे संघर्ष की स्थिति नहीं बनने देंगे। यह दोनों देशों की समझ का नहीं, बल्कि मजबूरी का मामला है।

अभी कुछ दिन से खबरें आ रही हैं कि अमेरिका में तीन-चार अनआइडेंटिफाइड ऑब्जेक्ट गिराये गये हैं। चीन के ऊपर भी ऐसी चीज दिखने की बातें हैं। जिस तरह अमेरिका ने प्रतिक्रिया देने में देरी की है, उसे उनकी सुरक्षा की कमी भी कही जा सकती है। अब देखना यह है कि अमेरिकी विदेश सचिव ब्लिंकेन कब चीन जाते हैं और दोनों देशों के बीच क्या बात होती है,

लेकिन दुनिया को इस पूरे प्रकरण को ऐसे भी देखना चाहिए कि इस संबंध में एक ठोस अंतरराष्ट्रीय समझदारी बने तथा उड्डयन से संबंधित कानूनों में अत्याधुनिक तकनीक से लैस सैटेलाइट जैसे गुब्बारों के लिए भी स्पष्ट प्रावधान हों, लेकिन यहां यह सवाल है कि क्या ताकतवर देश इसके लिए तैयार होंगे, लेकिन ऐसा लगता है कि इस प्रकरण के बाद इस संबंध में चर्चाएं जरूर शुरू होंगी और अगर इनकी पुनरावृत्ति होती है, तो कुछ कदम उठाना ही होगा।

गांधी आज

रामराज्य

रामराज्य स्वराज्य का आदर्श है। इसका अर्थ है धर्म का राज्य अथवा न्याय और प्रेम का राज्य, अथवा अहिंसक स्वराज्य या जनता का स्वराज्य । जनता के स्वराज्य का अर्थ है- प्रत्येक व्यक्ति के स्वराज्य से उत्पन्न जनसत्तात्मक राज्य। ऐसा राज्य केवल प्रत्येक व्यक्ति के नागरिकता के नाते उसका जो धर्म है उसका पालन करने से ही उत्पन्न होता है।

इस स्वराज्य में किसी को अपने अधिकार का खयाल तक नहीं होता। अधिकार आवश्यक होने पर खुद-ब-खुद दौड़ा चला आता है। इसमें लोगों के अपने हक जानने की जरूरत नहीं होती, पर अपना धर्म जानना और पालना आवश्यक होता है। कारण यह कि कोई कर्त्तव्य ऐसा नहीं है जिसके अंत में कोई हक न हो और सच्चे हक अथवा अधिकार तो केवल पाले हुए धर्म में से ही पैदा होते हैं।

जो सेवाधर्म पालता है उसीको नागरिकता का असली अधिकार मिलता है, और वही उसे पचा सकता है।

वैसे ही झूठ न बोलने का (अर्थात् सत्य का) और मारपीट न करने का (अर्थात् अहिंसा का) धर्म पालन करने से जो प्रतिष्ठा मिलती है वह उसे बहुतेरे अधिकार दिला देती है और ऐसा मनुष्य अपने अधिकार का भी सेवा के लिए उपयोग करता है, स्वार्थ के लिए कदापि नहीं । रामराज्य में एक ओर अथाह संपत्ति और दूसरी ओर करुणाजनक फाकेकशी नहीं हो सकती; उसमें कोई भूखा मरनेवाला नहीं हो सकता; उस राज्य का आधार पशुबल न होगा।

क्रमश:...

संक्षिप्त समाचार

पूर्व मुख्यमंत्री रमन को मानस सम्मेलन का न्यौता देने पहुंचे पदाधिकारी

नगरी। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से सांकरा मानस सम्मेलन मंच के पदाधिकारियों ने आज से शुरू हो रहे 9 दिवसीय राज्य स्तरीय मानस सम्मेलन का न्यौता देने पहुंचे। इस अवसर पर मानस सम्मेलन मंच के संरक्षण गिरवर भंडारी, संरक्षक अजब सिंह साहू, संरक्षक शाहनु राम साहू, संरक्षक रमेश कुमार साहू एवं पूर्व जिला पंचायत सभापति एवं भाजपा जिला मंत्री श्रीमती प्रेमलता नागवंशी, चित्रांश नागवंशी उपस्थित थे।

42 कबाड़ गाडियों को निगम ने हटाया

दुर्ग। नगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर सड़क किनारे पड़े कबाड़ वाहनों को निगम ने जीई रोड रायपुर नाका फिल्टर प्लांट के करीब और मालवीय नगर चौक जिला उद्योग केंद्र के आस पास तक चलायी गई। कार्यवाही के दौरान सड़क किनारे रखे और पड़े हुये 42 कबाड़ गाडियों ओर मोटर सायकिल को हटवाया गया। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने यह कार्यवाही शहर के प्रत्येक वार्ड के प्रमुख सड़कों पर निरंतर अभियान चलाकर कार्यवाही करने अधिकारी को निर्देश दिये। कार्यवाही के दौरान दुर्गेश गुप्ता के साथ मनोहर गोस्वामी एवं टीम मौजूद थे। नगर निगम की कार्यवाही के दौरान मंगलवार को जिला उद्योग केंद्र के सामने मालवीय चौक और फ़िल्टर प्लांट के करीब सड़क किनारे कार्रवाही की गई। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने वाहन मिस्त्री, गैरेज वालों, तथा आम नागरिकों से अपील कर कहा है कि जिन कारणों से शहर गंदा दिखायी देता है ऐसे सामान को हटाकर सफाई करायी जा रही है इस कड़ी में अब सड़क किनारे एवं नाली के ऊपर रखें अपने कंडम वाहनों को तत्काल हटा लें अन्यथा नगर निगम की टीम कार्यवाही के दौरान जप्त कर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जिसका आप स्वयं जिम्मेदार होगें।

पाली महोत्सव में बॉलीवुड सिंगर पलक की आवाज से सजेगी शाम

कोरबा। महाशिवरात्रि पर पाली महोत्सव का आयोजन पाली में 18 और 19 फरवरी को किया जाएगा। पाली महोत्सव में बॉलीवुड और छालीवुड के कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। 18 फरवरी को पाली महोत्सव में इस बार बॉलीवुड सिंगर पलक मुच्छल की सुरीली आवाज से शाम सजेगी। पलक मुच्छल बॉलीवुड की जानी.मानी गायिका हैं। इसी प्रकार 18 फरवरी को ही छत्तीसगढ़ के सुपर स्टार अनुज शर्मा भी अपने छत्तीसगढ़ी गानों से पाली महोत्सव में अपनी जलवा बिखेरेंगे।

रमाशंकर श्रीवास्तव को राज्यश्री साहित्य राष्ट्रीय स्वर्ण कमल सम्मान

कांकेर। राजश्री अकादमी छत्तीसगढ़ के द्वारा रमाशंकर श्रीवास्तव कांकेर निवासी को विभिन्न क्षेत्रों के सेवा कार्यों साहित्य/ शिक्षा / पत्रकारिता/ समाज सेवा / धार्मिक सांस्कृतिक क्षेत्रों की उत्कृष्ट योगदान के लिए राजश्री साहित्य राष्ट्रीय स्वर्ण कमल सम्मान से सम्मानित किया गया है श्री श्रीवास्तव को उनके मित्रगण एवं परिवार के सदस्यों द्वारा बधाई दी गई शुभकामना व्यक्त की गई रमाशंकर श्रीवास्तव ने इस सम्मान के लिए राजश्री अकादमी छत्तीसगढ़ परिवार को धन्यवाद ज्ञापित किया है तथा उन्होंने कहा कि इस प्रकार की सेवा कार्य करने से आत्म संतुष्टि मिलती है हम अपनी क्षमता के अनुसार अपने स्तर पर यह कार्य को निरंतर करते रहेंगे! विदित हो कि रमाशंकर श्रीवास्तव को पूर्व में विश्व मानवाधिकार सुरक्षा आयोग से डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्राप्त हुई है तथा जयतू विश्व हिंदू अंतरराष्ट्रीय पत्रिका की ओर से भी सम्मानित किया गया है। सरस्वती शिशु मंदिर चारामा के प्राचार्य से सेवानिवृत्त हो कर आप समाजसेवी एवं राष्ट्रवादी संगठनों से जोड़कर अपना सेवा कार्य कर रहे हैं!

उतई नगर के पुरैया तालाब में सौंदर्यीकरण कार्य का शुभारंभ हुआ

दुर्ग। नगर पंचायत उतई के पुरैया तालाब में सौंदर्यीकरण लागत राशि 74 लाख के कार्य का पूजा अर्चना करके किया गया इस दौरान नगर पंचायत उतई के अध्यक्ष डीकेंद्र हिरवानी पार्षद प्रहलाद वर्मा तोषन साहू वीरेंद्र गोस्वामी राकेश साहू सुरता सिंह गढ़े, नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बहादुर सिंह नेताम विधायक प्रतिनिधि भावेश साहू युवा सचिव योगेश माडले धनंजय नेताम लेख राम साहू व वार्ड वासी उपस्थित थे।

कोटेश्वर धाम में रूद्र महायज्ञ, श्री राम कथा का आयोजन 15 से

नगरी। सिहावा क्षेत्र के प्रसिद्ध देव स्थल स्वयंभू ज्योतिर्लिंग भीमा कोटेश्वर धाम कोटाभर्री डोंगरडूला में महाशिवरात्रि पर्व के अवसर श्री रूद्र महायज्ञ, श्री राम कथा का भव्य आयोजन दिनांक 15 फरवरी से 25 फरवरी तक आयोजित की जा रही है। इस विराट आयोजन का भव्य स्वरूप देने विभिन्न समितियों एवं संचालन का दायित्व समस्त पंचायत के प्रतिनिधियों एवं सदस्यों को सौंपी गई है जिसके तहत पूजा समिति, स्वागत सत्कार, भोजन व्यवस्था, पेयजल,अर्थ संग्रहण, कलशयात्रा, यजमान। व्यवस्था, निगरानी, वालिंटियर सहित विभिन्न जिम्मेदारी हेतु प्रभारियों की नियुक्ति की की गई है। इस विराटआयोजन श्री रूद्र महायज्ञ प्रतिदिन प्रात: 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक होंगे दोपहर 3:00 से 6:00 बजे तक संगीतमयश्री राम कथा का आयोजन होगा।

मातृ शक्तिपीठों से करेंगे संत सामाजिक समरसता और हिंदुत्व का जागरण

रायपुर। प्रकृति का उपासक हिन्दू समाज वनांचल में रहने वाले अपने बंधु बांधवों का कृतज्ञ है जिन्होंने तरु, नद, नीर और जीवों की पूजा के साथ मानवीय संवेदना को भी जीवत रखा है। छत्तीसगढ़ राज्य को इस दृष्टि से सनातन मूल्यों के रक्षक के साथ सामाजिक समरसता का ध्वजवाहक भी कहा जा सकता है। यह एक सुखद संयोग है कि जब देश के अंदर हिन्दू समाज हमारे वैदिक ग्रंथों और मान बिदुओं को निशाने पर लिया जा रहा है, तब छत्तीसगढ़ की पावन धरती से सत समाज चारों दिशाओं में स्थित चार मातृ शक्ति पीठों से हिन्दू जागरण की अलख जगाने की पहल कर रहा है। सारा विश्व जानता है कि सनातन हिन्दू दर्शन वसुधैव कुटुंबकम् के साथ सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय और प्राणिमात्र के यू कल्याण का पक्षधर रहा है। कर्म की प्रधानता, सदाचार युक्त जीवन और जाति पालि मुक्त एकजुट हिन्दू राष्ट सनातन का लक्ष्य रहा है। सब प्रकार की विषमता और सकीर्ण भेदभावों को समाप्त कर एकात्म भाव से विचित और उपेक्षित समाज के कल्याण

की चिंता कर और उनको साथ लेकर सत समाज अपनी हिन्दू पहचान और सनातन परंपरा को जीवत एवं जागृत बनाए रखना चाहता है।

ये विचार विश्व हिन्दू परिषद के रायपुर कार्यालय में अखिल भारतीय संत समिति छत्तीसगढ़ द्वारा प्रस्तावित हिन्दू स्वाभिमान जागरण सत पदयात्रा के विषय में आयोजित प्रेस वार्ता में यात्रा के संयोजक पूज्य स्वामी सर्वेश्वर दास जी महाराज ने व्यक्त किए। उल्लेखनीय है कि सामाजिक समरसता और हिन्दू जागरण के निमित्त होने वाली सतों की यह पदयात्रा का शुभारभ महाशिवरात्रि पर 18 फरवरी को छत्तीसगढ़ राज्य की चार दिशाओं में स्थित चार मातृ शक्तिपीठों से होगी और पूरे एक माह चलने वाली इस सत पदयात्रा का समापन 19 मार्च को रायपुर में एक विशाल हिन्दू जागरण समारोह के रूप में होगा ।

संत पदयात्रा के विषय में विस्तार से बताते हुए स्वामी सर्वेश्वर दास जी महाराज ने बताया कि सत समाज छत्तीसगढ़ राज्य के चार पवित्र मातृ सिद्धपीठों से इन यात्राओं का श्रीगणेश करेगा। प्रमुख शक्तिपीठों से होते हुए पदयात्रा गिरि कंदराओं, वनों, ग्रामों और झुग्गी बस्तियों के बधु बांधवों के घर- घर और जन- जन से जुड़ेगी। हिन्दू समाज के अंग अपनों के सग सनातन धर्म की चर्चा वाली संगत और उनके साथ सहभोज की पगत सजेंगी। सर्व समाज से जुड़े संत महात्मा समाज के सभी प्रमुखों और प्रधानों को साथ लेकर हिन्दू समाज को जागृत करने का काम करेंगे। जाति पाति, भाषा, पथ एवं राजनीतिक विचारधारा की सकीर्णता को त्यागकर सनातन पहचान को एक स्वर में एकाकार करने का आह्वान किया जाएगा।

हिन्दू स्वाभिमान जागरण संत पदयात्रा के संयोजक और विश्व हिन्दू परिषद के कार्याध्यक्ष श्री चंद्रशेखर वर्मा ने बताया कि देश में आज एक और सनातन धर्म को चोट पहुंचाने के षड्यंत्र चल रहे हैं तो दूसरी ओर जनसंख्या का बढ़ता असतुलन, धर्मातरण, तस्करी, लव जिहाद और भूमि जिहाद जैसी विकट समस्याएं देश के समझ बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता है हिन्दू समाज के विषमता भाव को कम कर समरसता एवं एकजुटता कायम करने की । इस नेक कार्य के माध्यम और मार्गदर्शक दोनों रूपों में पूज्य सत अपनी प्रभावी भूमिका में हैं। संत इस पदयात्रा के माध्यम से वनांचल क्षेत्र से लेकर मालिन बस्तियों तक स्वयं पहुंचकर सनातन मूल्यों और हिंदुत्व की रखा का संकल्प तो दिलाएंगे ही, वे सत्संग और सहभोज के माध्यम से आदर्श और अनुकरणीय प्रेरणा भी देंगे।

राज्य में चार स्थानों से निकलेगी पदयात्रा

संत उन घरों में जाएंगे जहां वे कभी नहीं गए रायपुर के अलग- अलग स्थानों से 18 मार्च को यात्रा निकलेगी। सामाजिक समरसता का भाव जगाने के लिए रायपुर में सभी संत उन बस्तियों और घरों में भी जाएंगे, जहां इससे पहले कभी कोई संत नहीं गया। संत उन घरों में भोजन और सत्संग भी करेंगे। प्रयास यह है कि हर हिंदु के घर शस्त्र और शास्त्र रहे इसलिए संत जिन घरों में जाएंगे वहां लॉकेट वितरण, हनुमान चालीसा, राम चरित मानस का वितरण भी किया जाएगा।

1. महामाया संत यात्रा

संत-स्वामी रामानंद सरस्वती, विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के सन्यासी पूज्य सीता राम दास जांजगीर के सन्यासी, रामरूप दास मदकूद्वीप के सन्यासी, कांति शिखा जी, स्वामी परमात्मा राम जी महाराज शामिल रहेंगे।

यात्रा का रूट- 1. रामानुजगंज बलरामपुर से 18 फरवरी को शुरू होगी। अंबिकापुर, बैकुंठपुर, सूरजपुर, मनेंद्रगढ़, गौरेला- पेंड्रा - मरवाही, बेलगहना, बिलासपुर, मदकूद्वीप, दामाखेड़ा, सिमगा, तरपोंगी और बंजारी धाम होते 17 मार्च को रायपुर पहुंचेगी।

2. मां चंद्रहासिनी पदयात्रा

संत- पूज्य राकेश आचार्य, आर्य समाज तुरंगा (सारंगढ), रामप्रिय दास भीखमपुर, खीरेंद्र जी बगीचा, श्रवण दास जी खरसिया कबीर मठ के साथ श्याम लालजी डंगनिया, लक्षराम जी और पेश राम जी भारद्वाज रामनामी संत शामिल रहेंगे।

यात्रा का रूट- सोघड़ा आश्रम जशपुर से कुनकुरी, पत्थलगांव, धर्मजयगढ़, से सीधे बाल्को, कोरबा, चांपा, बमनीनडीह, सक्ती, अड़भार, खरसियां, रायगढ़, चंद्रपुर, सारंगढ़, भटगांव, कसडोल, बलौदा बाजार होते हुए राममंदिर रायपुर में 17 मार्च को यात्रा संपन्न होगी।

3. मां दंतेश्वरी पदयात्रा

संत पूज्य त्रिवेणी, प्रेम स्वरूपा नंद बस्तर, शंकरदास बस्तर, विशुद्धानंद यहां पर भी रामनामी संत रहेंगे।

यात्रा का रूट- रामराम सुकमा से 15 फरवरी को निकलकर दंतेवाड़ा, गीदम, जगदलपुर, बस्तर, भनपुरी, कोंडागांव, नारायणपुर, भानुप्रतापुर, माकड़ी, कांकेर, चारामा, धमतरी, कुरूद, अभनपुर, राजिम, फिंगेश्वर, महासमुंद, आरंग, शदाणी दरबार रायपुर में 17 मार्च को संपन्न होगी।

4. मां बम्लेश्वरी यात्रा

संत -सर्वेश्वरदास जी महामंडलेश्वर कोटनी सोनार, राधेश्याम जी, वेद प्रकाशाचार्य रायपुर, कौशल जी रामनामी संत, रामभगत जी खरसिया।

यात्रा का रूट- तानारस से 18 फरवरी को निकलकर यात्रा मोहला, अंबागढ़ चौकी, डोंगरगांव, छुरिया, डोंगरगढ़, मां बम्लेश्वरी धाम, खैरागढ़, गंडई, लोहारा, कबीरधाम, लोरमी, मुंगेली नवागढ़, बेमेतरा, कोदवा, धमधा, मुरतार, राजनांदगांव, डोंडी लोहारा, बालोद, दुर्ग और भिलाई 3 होते हुए टाटीबंध में इस्कॉन मंदिर पर 17 को पहुंचेगी।

प्रमुख तिथियां

- 18 फरवरी को छत्तीसगढ़ के चार स्थानों से शुरू होगी यात्रा।
- 17 मार्च को रायपुर में समाप्त होगी यात्रा।
- 18 मार्च को रायपुर की सभी पिछड़ी बस्तियों में सभी संत भोजन करेंगे।
- सभी से 19 मार्च को प्रस्तावित धर्म सभा स्थल पर पहुंचने की अपील।
- जिला केंद्रों में सभी छोटी धर्मसभा होगी। बड़े- बड़े संत शामिल होंगे।
- सभी पंथ मत के लोग शामिल रहें इसके लिए हर जिले में उप यात्रा निकलेगी।
- योगी आदित्यनाथ हो सकते हैं शामिल
- 200 से अधिक संत और समाज प्रमुख होंगे शामिल।
- रामभद्राचार्य, योगी आदित्यनाथ, प्रदीप मिश्रा, बाघेश्वर -धाम सरकार पं. धीरेंद्र शास्त्री हो सकते हैं शामिल।
- रायपुर की धर्मसभा में 1 लाख लोगों के पहुंचने के आसार।
- समाज प्रमुखों और संतों का अलग- अलग मंच होगा राजनीतिक दलों के लोगों को मंच पर स्थान नहीं, हिंदू के रूप में मंच पर स्थान।

यात्रा में ये संत रहेंगे शामिल

अखिल भारतीय संत समिति के अध्यक्ष सर्वेश्वरदास, सचिव राकेश आचार्य जी, अखिलेश्वरानंद जी, रितेश्वर जी महाराज, युधिष्ठिर लाल जी, सतनामी समाज, कबीर पंथ, बौद्ध समाज, सिंधी समाज के अलावा सनातन हिंदू परंपरा के सभी संतों एवं समाज प्रमुखों की भागीदारी रहेगी। अखिल भारतीय संत समाज के अध्यक्ष व सचिव भी इस यात्रा में रहेंगे। इसी प्रकार से श्रीराम जन्मभूमि न्यास क्षेत्र के सचिव चंपत राय भी मौजूद रहेंगे।

ग्रामीणों को आर्थिक सशक्तिकरण दे रहा है रूरल इंडस्ट्रियल पार्क 'रीपा'

जगदलपुर। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की मंशा से राज्य सरकार ने बस्तर जिले के तुरेनार में 05 एकड़ में रीपा यानी कि रूरल इंडस्ट्रियल पार्क तैयार किया गया है। यह प्रदेश का पहला ग्रामीण औद्योगिक पार्क है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पहले चरण में प्रदेश के सभी विकासखण्डों में दो-दो ग्रामीण औद्योगिक पार्क तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें तुरेनार में प्रदेश का सबसे पहला रीपा बनकर तैयार हो गया है, जो प्रदेश का सबसे सबसे बड़ा रीपा भी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 26 जनवरी को इसका लोकार्पण किया।

इस ग्रामीण औद्योगिक पार्क के 20 वर्किंग शेड्स में युवाओं, महिलाओं और ग्रामीणों को स्वरोजगार से जोड़ रहा है। वहीं इन वर्किंग शेड्स के साथ ही यहां प्रशिक्षण केंद्र और आवासीय प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं के लिए आवासीय परिसर भी तैयार किया गया है। तुरेनार के इस रीपा सेंटर में जिला प्रशासन के सहयोग से विभिन्न महिला स्व सहायता समूहों को जोड़ा गया है। जो मशरूम, स्पॉन लैब और आएस्टर मशरूम उत्पादन कर रहे हैं।

इसके साथ ही यहां काजू प्रसंस्करण, कोदो, कुटकी ,रागी ,मसाला, तिखुर प्रसंस्करण और अचार का भी काम ग्रामीण कर रहे हैं। कोसा से रेशम धागाकरण, मुर्गी पालन, अंडा उत्पादन, तेल पेराई, नॉन वुवेन बैग, पेपर बैग, प्राकृतिक पत्तों से दोना पत्तल, गोबर पेंट, सूती वस्त्र, मछली दाना और मुर्गी दाना भी यहां तैयार हो रहा है।

फर्जी नियुक्तियों पर सीएमएचओ निलंबित

■ **स्वीकृत पदों से ज्यादा पर की थी भर्तियां, कर्मचारियों की सेवाएं भी समाप्त**

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सीएमएचओ रहे डॉ. सुनील भारती को निलंबित कर दिया गया है। आरोप है कि उन्होंने ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक और संयोजिका सहित 16 पदों पर अवैधानिक रूप से कर्मचारियों की नियुक्तियां की थीं। इसकी जांच के बाद जिला प्रशासन ने एक्शन लेते हुए पहले ही सभी 16 कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी थी। इस मामले में जांच जारी थी, जिसके बाद सीएमएचओ पर कार्रवाई की गई है।

पूर्व सीएमएचओ सुनील भारती ने ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजिका, फार्मासिस्ट ग्रेड -02, लैब असिस्टेंट, वार्ड ब्याय, वार्ड आया सहित अलग-अलग पदों पर भर्तियां की थीं। इसके बाद इन भर्तियों पर सवाल उठने लगे थे। मामले की शिकायत

बस्तर कमिश्नर और कलेक्टर से की गई। इस पर कलेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा जांच टीम का गठन कर दिया। टीम ने जांच के बाद अपना प्रतिवेदन प्रशासन को सौंप दिया था।

इसमें बताया गया कि, डॉ. सुनील भारती मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बीजापुर के द्वारा शासन की अनुमति की प्रत्याशा में कुल छह ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजिका के पदों और 10 अन्य पदों पर प्रतीक्षा सूची से जारी नियुक्ति आदेश विधिक सम्मत नहीं हैं। ऐसे पद भविष्य में सीधी भर्ती से भरे जाने योग्य थे। इस अवैधानिक कृत्य के लिए डॉ. सुनील भारती पूरी तरह से जवाबदेह हैं। डॉ. सुनील भारती को निलंबित किया गया हैं।

शिक्षक पदोन्नति पर लगा स्टे हटा

■ **हाईकोर्ट ने दिए काउंसिलिंग से प्रमोशन के निर्देश, कलेक्टर के आदेश को माना सही**

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने शिक्षकों की पदोन्नति मामले में लगा स्टे खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कलेक्टर के आदेश को सही मानते हुए काउंसिलिंग के माध्यम से प्रमोशन के निर्देश दिए हैं। कोर्ट के इस आदेश के बाद कोरबा जिले में शिक्षकों की पदोन्नति का रास्ता साफ हो गया है। इसके पहले कलेक्टर के आदेश के खिलाफ ही शिक्षकों ने कोर्ट में याचिका दायर की थी।

कलेक्टर ने आदेश किया था निरस्त

दरअसल, कोरबा जिले के 1145 सहायक शिक्षको को प्रधान पाठक प्राथमिक शाला के पद पर पदोन्नति दी गई थी। प्रमोशन के बाद उन्हें जिला शिक्षा अधिकारी ने विभिन्न स्कूलो में पदस्थापना दी थी। फिर डीईओ के जारी आदेश में विसंगतिया पाते हुए कोरबा कलेक्टर संजीव झा ने निरस्त कर दिया था। बाद में डीपीआई से काउंसलिंग के माध्यम से पदोन्नति के बाद पदस्थापना दिए जाने के निर्देश मिले थे।

शिक्षकों ने दायर की थी याचिका

हालांकि उससे पहले ही शिक्षकों ने कलेक्टर के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। इसमें बताया गया कि पदोन्नति व पदस्थापना की प्रक्रिया को निरस्त करने का अधिकार कलेक्टर को नही है। जिसकी सुनवाई हाईकोर्ट में जस्टिस पार्थ प्रीतम साहू की सिंगल बेंच में हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने पदोन्नति प्रक्रिया पर स्टे दे दिया था। मामले की सुनवाई पूरी होने पर अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

भूपेश की नाराजगी के बाद कांग्रेस के 15 नेताओं की सूची में सलाहकारों के भी नाम

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस क्रम में स्वागत समिति में कई महत्वपूर्ण नाम जोड़े गए हैं। सियासी जगत में इस बात की चर्चा है कि प्रदेश के सीएम भूपेश बघेल की नाराजगी के बाद छत्तीसगढ़ से कई नाम जोड़े गए हैं।

इसमें छत्तीसगढ़ कांग्रेस के संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला, सीएम के मीडिया सलाहकार रुचिर गर्ग , राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा सहित 15 लोगों के नाम सूची में जोड़े गए हैं।

इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 114 नेताओं वाली एक स्वागत समिति बनाई थी, जिसे तीन फरवरी को जारी किया गया था। प्रदेश इसमें अध्यक्ष मोहन मरकाम को इसका अध्यक्ष और सीएम भूपेश बघेल को सह अध्यक्ष बनाया गया था। बाकी मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारियों और प्रमुख नेताओं

के नाम भी शामिल किया गया था। सूची में शामिल नेताओं का नाम प्रदेश अध्यक्ष की ओर से भेजा गया था। इसको लेकर संगठन के एक धड़े में नाराजगी थी। इस असंतोष को दूर करने के लिए सीएम हाउस की ओर से एक और सूची भेजी गई थी।

सूची में इनका नाम

यह सूची सोमवार की शाम को जारी की गई। इसमें प्रतिमा चंद्राकर, चुन्नीलाल साहू, प्रेमचंद जायसी, वीरेश ठाकुर, विनोद वर्मा, रुचिर गर्ग, राजेंद्र तिवारी, सफी अहमद, सुभाष धुप्पड़, वाणी राव, सुशील आनंद शुक्ला, राजेंद्र साहू, सीमा वर्मा, रजनू नेताम और आरती सिंह के नाम शामिल हैं।

नवा रायपुर में कांग्रेस का राष्ट्रीय महाधिवेशन

बता दें कि 24, 25, 26 फरवरी को नवा रायपुर में कांग्रेस का राष्ट्रीय महाधिवेशन प्रस्तावित है। अधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत देशभर के 12 से 14 हजार से कांग्रेसी शामिल होंगे। इनके रुकने के लिए नवा रायपुर के मेला ग्राउंड में टेंट सिटी बनाई जा रही है। लगभग 60 एकड़ में फैले इस मैदान में ही महाधिवेशन होना है। देशभर से आने वाले पदाधिकारियों और नेताओं की बैठकें इसी डोम में होगा।

इन विषयों पर रहेगा फोकस

महाधिवेशन में राजनीतिक, आर्थिक, अंतरराष्ट्रीय संबंध, कृषि, सामाजिक न्याय, शिक्षा और रोजगार पर बात होगी।

छत्तीसगढ़ में होगा तीरंदाजी का सब जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता

भारतीय तीरंदाजी संघ के एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक में लिया गया फैसला

रायपुर। नई दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भारतीय तीरंदाजी संघ के एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक हुई जिसमें कमेटी के संविधान में कुछ बातों को संशोधित किया गया है वहीं 2023 में होने वाले सब जूनियर प्रतियोगिता की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ को सौंपी गई है जो दिसंबर माह में आयोजित होगी। बैठक में छत्तीसगढ़ की ओर से भारतीय तीरंदाजी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष कैलाश मुरारका उपस्थित थे।

उन्होंने बताया कि एनटीपीसी फाइनल रैंकिंग टूर्नामेंट प्रतियोगिता के लिए यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स नई दिल्ली में 9 से 13

फरवरी हुई। जिसमें भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष एवं केंदीय मंत्री अर्जुन मुंडा, नई दिल्ली के पूर्व भाजपा अध्यक्ष व वर्तमान सांसद मनोज तिवारी, भाजपा सांसद बिधूड़ी, नई दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, तीरंदाजी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष कैलाश मुरारका, सांई के डायरेक्टर संजीव, गोवा के चेतन, महाराष्ट्र प्रमोद चंदुलकर, मध्यप्रदेश से विद्यार्थी तथा 10 प्रदेशों के एग्जीक्यूटिव मेंबर इस अवसर पर उपस्थित थे।

भारतीय तीरंदाजी संघ के एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक मेंकमेटी के कुछ संविधानों में संशोधन किया गया, वहीं 2023 के राष्ट्रीय टूर्नामेंट के विषय में चर्चा की गई।

मुरारका ने बताया कि भारतीय तीरंदाजी संघ ने 2023 में होने वाले सब जूनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ को सौंपी है जो आगामी दिसंबर माह में होने वाला है। मुरारका ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने के सभी राज्यों से लगभग 1300 खिलाडियों की आने की संभावना है जिसको देखते हुए छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ ने अभी से तैयारी में जुट गया है। इस दौरान प्रतिभागी रिकर्व, कंपाउंड, और इंडियन राउंड में अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करेंगे।

भाजपा 20 को विधायक निवास घेरेगी

बस्तर में भाजपा नेताओ की हत्या के विरोध में रायपुर पश्चिम विधानसभा में चक्काजाम

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना का क्रियान्वयन करने असफल रही भूपेश बघेल सरकार के खिलाफ भाजपा पूरे प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर आंदोलन चला रही है। मोर आवास-मोर अधिकार नाम से पूरे प्रदेशभर में चलाये जा रहे आंदोलन के तहत आगामी 20 फरवरी को रायपुर पश्चिम विधानसभा के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में इकट्ठे होकर स्थानीय कांग्रेस विधायक विकास उपाध्याय के सरकारी आवास का घेराव करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा मंगलवार को भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। बैठक में भाजपा छत्तीसगढ़ द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित हितग्राहियों के साथ खड़े होने के संकल्पों को लेकर आयोजित किए जा रहे प्रदेश व्यापी मोर आवास मोर अधिकार कार्यक्रम के तहत रायपुर पश्चिम विधानसभा के चारों मंडल द्वारा प्रधानमंत्री आवास के लिए आंदोलन की तैयारी पर चर्चा की गई।

इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री और भाजपा प्रवक्ता भाजपा राजेश मूणत ने कार्यकर्ताओं से कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ मजबूती से लामबंद होने की अपील की। उन्होंने बताया कि मोर आवास, मोर अधिकार अभियान के तहत पात्र हितग्राहियों को उनका अधिकार दिलाने के लिए भाजपा ने विशेष अभियान चला रही है। जिसके तहत मोर आवास, मोर अधिकार अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं ने रायपुर पश्चिम विधानसभा के चारों मंडल जाकर आवास हितग्राहियों से मुलाकात

कर उनका आवास अधिकार दिलाने के लिए उनसे प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नाम आवेदन पत्र लिया है उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने झूठ फरेब करके छत्तीसगढ़ में सरकार बनाई है और अब यह झूठ बेनकाब हो चुका है। हमारे भाजपा कार्यकर्ताओं ने जनता के बीच जाकर नुक्कड़ में सभाओं में राज्य सरकार से आवास की मांग हेतु फार्म भरवाए हैं। सभी वंचित हितग्राहियों को घेराव में आमंत्रित करने उनके घर जाकर आमंत्रण पत्र दिया जायेगा।

पूर्व मंत्री मूणत ने कहा कि भाजपा प्रधानमंत्री आवास योजना के वंचित हितग्राहियों के साथ खड़ी है गरीबों के हित में भाजपा एक बड़ा आंदोलन खड़ा करने जा रही है जिसमें आवास योजना के प्रत्येक हितग्राहियों का सहयोग अपेक्षित है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत केंद्र की मोदी सरकार ने जो लक्ष्य छत्तीसगढ़ के लिए दिया था उसे प्रदेश सरकार पूरा करने में असमर्थ है।

उन्होंने कहा कि करीब 4000 भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा आगामी 20 फरवरी को स्थानीय कांग्रेस विधायक निवास का घेराव किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा सभी कायकर्ता दोपहर 2 बजे अनुपम गार्डन में एकत्रित होकर घेराव के लिए कूच करेंगे। मूणत ने आगे कहा कि केंद्र सरकार ने हितग्राहियों के लिए पूरा पैसा जारी किया था उनके राज्य सरकार अपने हिस्से की राज्यांश राशि नहीं दे पा रही है और गरीबों का आवास छीनने का काम कर रही है। जिसका विरोध जरूरी है।

बस्तर में हिंसा के विरोध में 17 को जाम - पूर्व कैबिनेट मंत्री और भाजपा प्रवक्ता राजेश मूणत ने बताया कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के शह पर अपराधिक तत्वों द्वारा षडयंत्र पूर्वक, सुनियोजित तरीके से लक्ष्य करके भारतीय भारतीय जनता पार्टी के नेता, कार्यकर्ता के हत्या किए जाने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 16 फरवरी को बस्तर मुख्यालय जगदलपुर में रैली निकालकर आईजी कार्यालय के सामने धरना और प्रदर्शन किया जाएगा। इसी कड़ी में 17 फरवरी को प्रदेश के सभी 76 विधानसभा में मंडल स्तर पर दोपहर 2ः00 से 5ः00 तक प्रदेश की 405 मंडलो में सड़कें जाम की जाएंगी।

उन्होंने रायपुर पश्चिम विधानसभा के कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि कार्यकर्ता तय समय में घेराव करेंगे। जिसके तहत कार्यकर्ता अपने अपने मंडलों में तेलघानी नाका ,विवेकानंद आश्रम, रिंग रोड क्रमांक 1 , खमतराई में चक्का जाम करेंगे। बैठक में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस दौरान प्रमुख रूप से बैठक में भाजपा जिला रायपुर सह प्रभारी अजय राव भाजपा रायपुर शहर जिला के अध्यक्ष जयंती पटेल जी श्री अशोक पांडे, प्रफुल्ल विश्वकर्मा, ओंकार बैस, बजरंग खंडेलवाल, गोपी साहू, नवीन शर्मा, सत्यम दुवा, जी प्रदीप सिंह, अमित मैशरी, गोविंदा गुप्ता, विशाल पांडे नीलम सिंह, रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के मंडल अध्यक्ष अनिल सोनकर, प्रीतम सिंह ठाकुर, श्रीनिवास राव ,भूपेंद्र ठाकुर, पार्षदगन गोदावरी गज्जू साहू, विनोद अग्रवाल ,पुरुषोत्तम कामिनी देवांगन, भोलाराम साहू, कमलेश्वरी बसंत वर्मा, राजेश ठाकुर, दीपक जयसवाल, सुनील चंद्राकर, रजियन्त ध्रुव, रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के सभी मोर्चा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष है उनकी कार्यकारिणी शक्ति केंद्र प्रभारी शक्ति केंद्र संयोजक शक्ति केंद्र सहसंयोजक, बूथ अध्यक्ष ,बूथ पालक, बूथ सचिव, युवा प्रमुख महिला प्रमुख बड़ी संख्या में बैठक में शामिल हुए उपस्थित रहे।

जगन्नाथ पुरी में लहराया 108 फुट ऊंचा तिरंगा

फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने पुरी के प्रवेश द्वार पर स्थापित किया है राष्ट्रीय ध्वज

रायपुर। फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री नवीन जिन्दल ने जगन्नाथ पुरी नगर के प्रवेश द्वार बाटागांव छक में 108 फुट ऊंचा तिरंगा लगाया है। ओडिशा के राज्यपाल प्रोफेसर गणेशीलाल ने सोमवार को ध्वजारोहण कर धर्मनगरी पुरी को यह अनूठा उपहार दिया। इस अवसर पर फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष श्रीमती शालू जिन्दल, ओडिशा के अनेक मंत्री व विधायक और अधिकारी उपस्थित थे। ध्वजारोहण के बाद राज्यपाल प्रोफेसर गणेशी लाल ने फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया और उसके अध्यक्ष श्री नवीन जिन्दल की सराहना करते हुए कहा कि वे एक शहर, एक प्रदेश नहीं बल्कि पूरे विश्व के हैं और जगह-जगह विशाल ध्वज की स्थापना कर देशवासियों के मन में राष्ट्र के प्रति प्रेम और समर्पण की भावना का संचार कर रहे हैं। जगत स्वामी भगवान श्री जगन्नाथ जी की नगरी पुरी में राष्ट्रीय ध्वज की स्थापना विश्व बंधुत्व और शांति का पर्याय है क्योंकि हमारे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा में ये संदेश निहित हैं।

श्री जिन्दल ने इस अवसर पर कहा कि जाति, पंथ, राजनीतिक संबंधों से ऊपर उठकर तिरंगा हम सभी भारतीयों के स्वाभिमान का सर्वोच्च प्रतीक है। फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया देशवासियों, विशेषकर युवाओं को गर्व और सम्मान के साथ प्रतिदिन तिरंगा फहराने और प्रदर्शित करने के लिए निरंतर प्रेरित कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह विशाल तिरंगा भगवान श्री जगन्नाथ जी के दर्शनों के लिए पुरी आने वाले लोगों के बीच एक आकर्षण का केंद्र होगा। श्री जिन्दल ने इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी जयी राजगुरु, चाखी खुंटिया और पंचसखा समेत अनेक लोगों के देश की आजादी में योगदान, त्याग और बलिदान को याद कर उन्हें नमन किया। उन्होंने तिरंगे के लोकतांत्रीकरण के लिए किए गए अपने 10 साल के कठिन संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि अब हम सभी भारतीय साल भर अपने राष्ट्रीय ध्वज को पूरे मान-सम्मान से फहरा सकते हैं और कमर से ऊपर धारण कर गर्वान्वित महसूस कर सकते हैं।

भाजपाईयों ने घेरा जुनेजा का कार्यालय

रायपुर। उत्तर विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान दिलाने पर कांग्रेस सरकार द्वारा रोक लगाए जाने एवं आवासहीन लोगों को आवास उपलब्ध ना किये जाने के विरोध में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी एवं रायपुर उत्तर के आमजन भाजपा जिला कार्यालय से पैदल चलकर हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष और उत्तर विधायक कुलदीप जुनेजा के कार्यालय पहुंचकर घेराव किया। उत्तर के पूर्व विधायक श्रीचंद सुन्दरानी ने इस दौरान कहा कि प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना के तहत प्रत्येक आवासहीन को स्वयं का मकान मिले लेकिन बड़े दुर्भाग्य की बात है कि जबसे कांग्रेस की सरकार आई है यह योजना छत्तीसगढ़ में ठप हो गई है 11 लाख मकानों के पैसे दिल्ली से भेजे गए लेकिन प्रदेश सरकार की खस्ता हालत को देखते हुए यह अपना अंशदान नहीं दे पाए इसलिए वह राशि दिल्ली वापस कर दी गई। छत्तीसगढ़ के गरीब आवासहीन लोग अपना स्वयं का मकान पाने से वंचित हो गए। भारतीय जनता पार्टी ने तय किया

है सभी आवासहीन को पक्का मकान मिले जब तक आवासहीनों को पक्का मकान नहीं मिल जाता भारतीय जनता पार्टी संघर्ष करते रहेगी। जिसकी शुरुआत आज कांग्रेस विधायक कुलदीप जुनेजा के कार्यालय घेराव से शुरू कर दी गई है। इस अवसर पर सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव, नगर निगम पूर्व सभापति श्री प्रफुल्ल विश्वकर्मा, अमरजीत छाबड़ा,भाजपा जिलाध्यक्ष श्री जयंती भाई पटेल के साथ ही बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और नागरिक शामिल थे।

कांग्रेस का महाअधिवेशन की तैयारी बैठक संपन्न

रायपुर। कांग्रेस के 85वें अधिवेशन की तैयारी की दो महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम, राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष के सलाहकार सफल जी, प्रभारी सचिव वामची रेड्डी, प्रभारी सचिवगण डॉ. चंदन यादव, सप्तगिरी शंकर उल्का, विजय जांगीर एवं मंत्रीगण की उपस्थिति में संपन्न हुयी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने स्वागत भाषण देते हुये कहा कि आज राजीव भवन में 85वां महाअधिवेशन के बारे में बैठक रखी गयी है। हमारे लिये छत्तीसगढ़वासियों के लिये सौभाग्य की बात है कि आजादी के इतने सालो बाद हमारे यहां छत्तीसगढ़ रायपुर में राष्ट्रीय अधिवेशन होने जा रहा है। केन्द्रीय नेतृत्व और जिन्होंने हमे यहां कार्यक्रम दिया है। पूरे देश भर से लेकर हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

सोनिया गांधी, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सहित लगभग 10 हजार से ज्यादा लोग और एआईसीसी, पीसीसी डेलीगेट्स सभी लोग छत्तीसगढ़ में आयोजित महाअधिवेशन में शामिल होंगे।

प्रदेश कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा कि सीडब्लूसी की मीटिंग हुई उसमें 85वां महाअधिवेशन के बारे में विचार विमर्श हुआ। हमारी ही पार्टी है जिसमें नीचे से लेकर उपर तक मेम्बरशीप होती है। बहुत लंबी प्रक्रिया चलती है। ब्लाक जिला तक का चयन होता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में अधिवेशन की बहुत बड़ी चुनौती स्वीकार किया है। कांग्रेस पार्टी नहीं पूरा देश देख रहा है कि यहां छत्तीसगढ़ में महाअधिवेशन होने जा रहा है। छत्तीसगढ़ में बहुत शानदार महाअधिवेशन होगा। सभी मंत्री व मंत्रीगण, विधायक, पूर्व विधायक, जिला अध्यक्ष, समस्त कांग्रेसजन सभी की जिम्मेवारी है। सभी को एक साथ मिलकर काम करना है तभी यह महाअधिवेशन सफल साबित होगा। व्यवस्था करना सभी की बड़ी जिम्मेदारी है एक-एक को जिम्मेदारी के साथ कार्य करना है। ये महाअधिवेशन हम सबके लिये बहुत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की अध्यक्षता में यह 85वां महाअधिवेशन होगा। पूर्व राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का मार्गदर्शन होगा। पूर्व राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पूरे देश में जो भारत जोड़ो यात्रा से लोगो को जोड़ने का काम किया। पूरे देश भर से 10 हजार से अधिक लोग शामिल होंगे। छत्तीसगढ़ में छत्तीसगढ़ के लोगो को भी प्राथमिकता मिलना चाहिये। 24 फरवरी को स्टेयरिंग कमेटी की दूसरी मीटिंग होगी। 25 फरवरी को एआईसीसी और पीसीसी के सभी लोग शामिल होंगे और 26 फरवरी को एक बहुत बड़ा विशाल जनसभा होगी। प्रभारी बनने के बाद पहले छत्तीसगढ़ प्रवास पर जो आरक्षण पर जनसभा छत्तीसगढ़ हुयी थी, उसी प्रकार उससे भी बड़ी और रिकार्ड तोड़ जनसभा 26 फरवरी को करना है। दुनिया देखे, सोशल मीडिया के माध्यम से देखे। पिछले अधिवेशन से अच्छा करके दिखाना है। छत्तीसगढ़ की रहन सहन, खान-पान सबको दिखाना है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

नगर निगम को स्वीकृत करोड़ों रूपये लैप्स होने के कगार पर - मीनल चौबे

रायपुर। सामान्य सभा आहूत नहीं किये जाने के कारण करोड़ो रूपये की राशि नगर निगम को नहीं मिल पायेगी। केन्द्र सरकार के द्वारा 15वें वित्त आयोग से प्रत्येक वर्ष शहर की जनता के लिए करोड़ो रूपये की राशि मूलभूत सुविधा के लिए दी जाती है। वर्तमान में लगभग 200 करोड़ रू नगर निगम को स्वीकृत है। जिसे जल, वायु और एस.बी.एम. के तहत अलग-अलग मदों में खर्चे करने है । नियमानुसार 15वें वित्त आयोग के प्रस्तावित कार्य एम.आई.सी. से स्वीकृत होने के बाद सामान्य सभा में आते है। इसके बाद कार्यो का टेण्डर निकलता है। 15वें वित्त आयोग से केन्द्र की सरकार ने शहर की जल व्यवस्था के लिए लगभग दो वर्षो में 55 करोड़ रूपये स्वीकृत किये है। जिसमें से एक रू का भी काम नही हुआ है। जल से संबंधित कार्ययोजना 09 नवंबर की एम.आई.सी. से स्वीकृत है और इसे सामान्य सभा में लाना था फिर इसका टेण्डर लगना था। जिम्मेदार लोगो की लापरवाही की वजह से या विपक्ष के सवालों से बचने के लिए सामान्य सभा का आयोजन नही किया गया। परिणामस्वरूप उपरोक्त कार्यो का टेण्डर नही हो पाया, और शहर की जनता फिर से एक बार गर्मी में पेयजल संकट से जूझेगी। 15वें वित्त आयोग की राशि को अगर एक वर्ष के भीतर 70 प्रतिशत खर्च नही कर पायेंगे तो अगले वित्तीय वर्ष की राशि की स्वीकृति नही मिलेगी।

कांग्रेस की आपत्तिजनक बयानबाजी अनुशासनहीनता - रिजवी

रायपुर। मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष तथा वरिष्ठ अधिवक्ता इकबाल अहमद

रिजवी ने संगठन के नेताओं पर हमला बोलते हुए कहा है कि कांग्रेसजन एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप, आलोचना एवं अमर्यादित भाषा का प्रयोग कांग्रेस के महत्वपूर्ण पदों पर रहे या बैठे हुए पदाधिकारी एवं कांग्रेसजन द्वारा समाचार पत्रों तथा सार्वजनिक रूप से किए जा रहे बयानों को इसके पूर्व कभी भी देखा, सुना या पढ़ा नहीं गया क्योंकि ऐसा सब कुछ अनुशासनहीनता की परिधि में आता है। कांग्रेस की छबि पर कुछ लोगों के द्वारा कुठाराघात किया जा रहा है जिससे कांग्रेस की साख जनता में धूमिल हो रही है। कांग्रेस के महत्वपूर्ण पदों पर बैठे व्यक्तियों के द्वारा कांग्रेस संविधान का उल्लंघन अनुशासनहीनता की सभी हदें पार करता नजर आ रहा है। किसी भी कांग्रेसी को किसी अन्य कांग्रेसी के बारे में कुछ भी आपत्तिजनक शब्द या भाषा का प्रयोग करने से पहले अपने पद एवं कद की गरिमा का अवश्य ख्याल रखना चाहिए। रिजवी ने मीडिया के माध्यम से कुछ व्यक्तियों द्वारा स्तरहीन बयानबाजी की जा रही है। प्रदेश संगठन का कर्तव्य है कि मानसिक रूप से दरिद्र उन अनुशासनहीन व्यक्तियों पर तत्काल अंकुश लगाने अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाना चाहिए।

शराब से होने वाली मौतों के मामले में छत्तीसगढ़ चौथे स्थान पर- कौशिक

रायपुर। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि शांति का टापू छत्तीसगढ़ अब

अपराधगढ, चाकूपुर एवं आंतकगढ के नाम से प्रचलित हो चुका है। आम आदमी भयभीत है, आम लोगों से लेकर व्यापारी व नेता तक की हत्या करके अपराधी बेखौफ घुम रहे है। प्रदेश में अपराध रूकने का नाम नहीं ले रही है नशाखोरी दिनों दिन बढ़ते जा रही है शराब, जुआ, सट्टा कांग्रेस सरकार के शह और पुलिस प्रशासन के संरक्षण में चल रहा है। नशाखोरी बढ़ती है तो अपराध बढ़ते है लेकिन कांग्रेस में अपराध रोकने वाला कोई नहीं, कांग्रेस सरकार में किसी को अपराध पर लगाम लगाने से कोई मतलब नहीं वे केवल नशे के अवैध कारोबार को बढ़ावा देकर प्रदेश में भय और आंतक का माहौल पैदा कर रही है। जिससे अपराध लगतार बढ़ता जा रहा है। नशे का कारोबार चारों ओर फैला हुआ है सट्टा-जुआ पुलिस की कमाई का जरिया बना हुआ तो शराब पीने से होनें वाले मौतों के मामले में छत्तीसगढ़ चौथें स्थान पर है। आखिर प्रदेश को किसकी नजर लग गयी है? प्रदेश में पुलिस प्रदेश सरकार के खौफ के कारण एक तरह से मानो हथियार डाल चुकी है ।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने जताया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शकील अहमद ने केंद्रीय बजट 2023 में हज यात्रा को लेकर नया गाइड लाइन में सुविधा देकर उनके हज यात्रा को सुगम बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार व्यक्त किया है एवं केंद्र की मोदी सरकार द्वारा अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय ने हज पॉलिसी में बड़ा बदलाव किया है। नई पॉलिसी के तहत हज यात्रियों को कई सहूलियतें दी गई हैं जिसमें अब हज यात्रा की ख्वाहिश रखने वाले आजमीन बिना किसी शुल्क के हज यात्रा के लिए आवेदन कर सकते हैं साथ ही महिलाओं को अकेले जाने के लिए भी आवेदन करने की छूट दी गई है। नई पॉलिसी के मुताबिक हज यात्रियों की 50 हजार रुपए की बचत हज यात्रा में होगी। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष शकील अहमद ने आगे बताया कि केंद्र की मोदी सरकार अल्पसंख्यक वर्ग के विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुस्लिम समाज को मुख्य धारा में जोड़ने हर संभव प्रयास कर रही है । हज यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए निशुल्क आवेदन उपलब्ध कराना उनके स्वास्थ्य का निशुल्क जांच कराना। हज यात्रा करने वाले यात्रियों का पैसा की भी बचत होगा। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष शकील अहमद ने बताया कि अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा पूरे प्रदेश के मुस्लिम समाज द्वारा हजारों पोस्ट कार्ड प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को भेज कर धन्यवाद ज्ञापित कर आभार करेगी।

शहरों में भी चल रहा है जंगलराज- देवलाल ठाकुर

रायपुर। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने बिगड़ी कानून व्यवस्था और कांग्रेसियों

द्वारा सरेआम हवाई फायरिंग को लेकर मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा है कि भूपेश बघेल की बात खुद कांग्रेस के नेता ही नहीं मान रहे हैं। जंगल में ही नहीं, शहरों में भी जंगलराज हो गया है। कांग्रेस के नेता खुलेआम गोलियां चला रहे हैं। जब कांग्रेस के नेता ही मुख्यमंत्री की बात नहीं मानते तो डीजीपी कैसे मानेंगे और कैसे नक्सलियों से लोगों को सुरक्षा दिलवाएंगे? भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल डीजीपी से कह रहे हैं कि नक्सलियों से सुरक्षा प्रदान करें लेकिन आज सुरक्षा नियमों की धज्जियां तो कांग्रेस पार्टी के लोग ही उड़ा रहे हैं। खुलेआम हवाई फायर कर कांग्रेस के लोगों ने बता दिया कि जंगलराज अब जंगल तक ही नहीं रह गया। भूपेश बघेल के राज में यह शहरों में भी आ गया है। अब भूपेश बघेल को सोचना होगा कि आखिर उनके आदेश का पालन उनके ही कार्यकर्ता नहीं कर रहे हैं, उनके ही लोग नहीं कर रहे हैं तो उनके आदेश का पालन कौन करेगा और कैसे नक्सलियों से छत्तीसगढ़ के लोगों की रक्षा होगी।

राज्य सेवा आयोग संवैधानिक एजेंसी है, प्रश्न पत्र तैयार करना पीएससी का अपना अधिकार है

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने पीएससी में पुछे गए सवाल को लेकर भाजपा द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के तथ्यहीन आरोप पर पलटवार करते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ राज्य सेवा आयोग राज्य की सर्वोच्च संवैधानिक एजेंसी है, एक स्वायत्तशासी एजेंसी। प्रश्न पत्र तैयार करना पीएससी का अपना अधिकार है। इसमें सरकार का कोई दखल नहीं रहता है। यदि सवाल को लेकर कोई आपत्ति है तो आपत्ति सही पाए जाने पर प्रश्न विलोपित करने या सभी प्रतिभागियों को बोनस अंक देने का प्रावधान पूरे देश में एक समान है, इसे लेकर पीएससी पर भ्रष्टाचार का तथ्यहीन आरोप लगाना भाजपा नेताओं के मानसिक दिवालियापन का प्रमाण है। अन्याय तो भाजपा के रमन राज के कुशासन में होता था, 15 साल में केवल 9 परीक्षाएं 6 बार तो दी ही नहीं गई। 2003 के पीएससी विवाद के बाद 2007 तक लगातार चार साल जीरो ईयर घोषित रहा। इस दौरान लगातार 4 सालों तक परीक्षा नहीं होने से कई प्रतियोगी उम्र सीमा अधिक हो जाने के कारण परीक्षा से वंचित हो गए, उन आंदोलनरत प्रतिभागियों के उपर भी रमन सरकार ने लाठीचार्ज कर अपराधिक प्रकरण दर्ज कराए थे। रमन सरकार के दौरान 15 साल तक लगातार पीएससी की भर्तीयों में अनियमितताओं की शिकायत आती रही, वर्षा डोगरे प्रकरण भी सर्वविदित है। व्यवसायिक शिक्षा मंडल द्वारा किए जाने वाले भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में भी गड़बड़ियां की जाती रही। वर्तमान में भूपेश सरकार में 4 भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर यह पांचवीं बार की परीक्षा आयोजित हुई है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि देशभर के लगभग सभी राज्यों के अधीन राज्य सेवा परीक्षाओं में राज्य की महत्वपूर्ण योजनाओं, सरकार के कार्यक्रमों और मुख्यमंत्री से संबंधित प्रश्न उसे जाने की परंपरा पूर्व से ही रहा है, राज्य के संदर्भ में समसामयिक घटनाक्रम में अगर भूपेश सरकार से जुड़े सवाल पूछे गए तो इसमें गलत क्या है?

गंगानगर में संयुक्त किसान मोर्चा के नेता राकेश टिकैत जमकर गरजे

जल, जंगल, जमीन बचाने दिया एकजुटता का मंत्र

कोरबा। छत्तीसगढ़ किसान सभा द्वारा आयोजित विस्थापन पीड़ितों की संघर्ष सभा में कल रात गंगानगर में टिकैत जमकर गरजे, बादल झूमकर बरसे। सभा में उपस्थित हजारों किसानों को उन्होंने विस्थापन के खिलाफ एकजुट संघर्ष करने का मंत्र दिया और कहा कि यदि केंद्र और राज्य की सरकारें जनता की आवाज नहीं सुनती, तो आंदोलनों की धमक से इन बहरी सरकारों को अपनी आवाज सुनाने के लिए देश की जनता तैयार है।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेता राकेश टिकैत अपने तय समय से चार घंटे देरी से इस सभा में पहुंचे, लेकिन रात 9 बजे भी उन्हें सुनने हजारों किसान जमा थे। स्वागत-सत्कार की संक्षिप्त औपचारिकता के बाद उन्होंने सीधे माइक थाम लिया। अपने आधे

घंटे के संबोधन में उन्होंने इस इंतज़ार के लिए उपस्थित लोगों का आभार जताया और कहा कि यह भूमि-विस्थापन के खिलाफ आम जनता के लड़ाकूपन का प्रतीक है और इस लड़ाई में वे कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं, उनके साथ मिलकर लड़ेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि हसदेव हो या कोरबा या हो बस्तर, केंद्र और राज्य दोनों सरकारें मिलकर उद्योगपतियों को जमीन देना चाहती है और इसके लिए गरीबों से जमीन छीनना चाहती है। आज छत्तीसगढ़ में जमीन बचाने की लड़ाई ही सबसे बड़ी लड़ाई है और पूरे छत्तीसगढ़ में 22 जगहों पर आंदोलन चल रहे हैं। इस संघर्ष को सभी संगठनों की पहलकदमी से साझा मोर्चा बनाकर और मजबूत करना होगा। टिकैत ने कहा कि मजदूर-किसानों की एकजुटता का यही संदेश लेकर आज संयुक्त किसान मोर्चा के 40 नेता पूरे देश का दौरा कर रहे हैं और इसी उद्देश्य से वे छत्तीसगढ़ के प्रवास पर है। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि किसान आंदोलनों से सरकार बातचीत करें या फिर उनके गुस्से का सामना करें।

स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के आधार पर सकल लागत का डेढ़ गुना समर्थन मूल्य देने का कानून बनाने के लिए फिर से देशव्यापी संघर्ष छेड़े जाने की जानकारी देते हुए अखिल भारतीय किसान सभा के संयुक्त सचिव बादल सरोज ने कहा कि देशव्यापी किसान आंदोलन ने सरकार के बर्बर दमन के बावजूद बिना डरे, बिना झुके संघर्ष की जो मशाल जलाई है, कोरबा के भू-विस्थापित उसे मजबूती से थामे हुए है और अपनी आजीविका और पुनर्वास की लड़ाई लड़ रहे हैं। इस लड़ाई को किसान सभा अंत तक लड़ेगी, जब तक अंतिम भू-विस्थापित को न्याय नहीं मिल जाता।

आर.एन.आई. रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.